www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

सूर्योदय सुबह 7:09 बजे
सूर्यास्त शाम 5:25 बजे

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

• साल-1 • अंक-91 • पृष्ठ-8 • मूल्य-1 रूपये • शनिवार 6 दिसंबर 2025 • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर

न्यूज ब्रीफ

राय की बुक के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली| सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें अरुंधति रॉय की किताब मदर मैरी कम्स टू मी के कवर पर धूम्रपान करते हुए दिखाए गए चित्र के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। याचिका में दावा किया गया था कि किताब के कवर पर लेखक को बीड़ी पीते हुए दिखाया गया है, जो कानून का उल्लंघन है। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमल्या बागची की पीठ ने केरल हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा, जिसमें यह कहा गया था कि यह चित्र उल्लंघन नहीं करता।

अवैध नशे की नाव पर अमेरिकी हमले में 4 मरे

न्यूयार्क| अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने बताया कि पूर्वी प्रशांत महासागर में अवैध मादक पदार्थ ले जा रही एक नाव पर अमेरिकी सेना ने एक "घातक सैन्य हमला" किया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। यह लगभग तीन हफ्तों के बाद ऐसा पहला हमला है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब व्हाइट हाउस और पेंटागन इस सवाल का सामना कर रहे हैं कि संदिग्ध ड्रग तस्करों की हत्या सैन्य हमलों से करना कानूनी है या नहीं। हमले से कुछ घंटे पहले अमेरिकी सांसदों को एक गोपनीय ब्रीफिंग दी गई, जिसमें सितंबर 2 को हुई एक नाव पर सैन्य हमले के बारे में जानकारी साझा की गई।

मंदिर विवाद पर SC का सुनवाई से इंकार

नई दिल्ली| सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। यह याचिका मदुरै स्थित अरुलमिगु सुब्रमण्या स्वामी मंदिर के विवादित 'दीपथून' स्थल पर दीप जलाने के संबंध में मद्रास हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने के लिए दायर की गई थी। 4 दिसंबर को मदुरै बेंच ने राज्य सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें दीप प्रज्ज्वलन की अनुमति को सीआईएसएफ सुरक्षा के साथ लागू करने पर आपत्ति की गई थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान पूजा करने वालों की ओर से पेश वकील ने राज्य सरकार पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि "राज्य सिर्फ नाटक कर रहा है। वे सिर्फ यह दिखाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का जिक्र करना चाहते हैं कि उन्होंने यहां मुद्दा उठाया है।"

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिपोर्टर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 7986630191 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

अगर जज किराये पर रह सकते हैं, तो सरकारी अफसर क्यों नहीं : हाई कोर्ट

समर एक्सप्रेस इम्पैक्ट सरकार ने की थी मलेरकोटला में डीसी और एसएसपी आवास खाली करवाने के आदेश में संशोधन की मांग

आरजू शेख | चंडीगढ़
समर न्यूज

पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने शुक्रवार को कई जिलों में न्यायिक अधिकारियों के लिए स्थायी आवास और कोर्ट भवनों की कमी को लेकर पंजाब सरकार की कड़ी आलोचना की। अदालत ने टिप्पणी की कि सरकार जजों के रहने और न्यायालयों की व्यवस्था को गंभीरता से नहीं ले रही। पंजाब सरकार ने बताया कि फिलहाल जजों के लिए किराये पर आवास की व्यवस्था की जा रही है, जिस पर हाई कोर्ट ने सवाल किया अगर जज किराये पर रह सकते हैं, तो आपके अधिकारी क्यों नहीं।

हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार द्वारा मलेरकोटला में डीसी और एसएसपी के आवास खाली करवाने के आदेश में संशोधन की मांग को खारिज कर दिया। पंजाब ने दलील दी थी कि इन भवनों में पुलिस नियंत्रण कक्ष और कार्यालय चल रहे हैं, इसलिए खाली करवाना मुश्किल है। इस पर अदालत ने कहा कि यह परेशानी सरकार की योजना की कमी का परिणाम है।

सरकार ने अदालत को बताया कि मलेरकोटला में दो नए कोर्ट रूम बनाए गए हैं और फैमिली कोर्ट का निर्माण शुरू हो चुका है। जजों के स्थायी आवास के लिए नई योजना बिल्डिंग कमेटी को भेजी गई है और मंजूरी का इंतज़ार है। लोक निर्माण विभाग की तकनीकी रिपोर्ट का हवाला देते हुए अदालत ने कहा कि डीसी गेस्ट हाउस और एसएसपी आवास को अदालतों में परिवर्तित करना असुरक्षित और अनुपयोगी है।

अदालत ने सरकार को निर्देश दिया कि यदि स्थायी न्यायिक आवास तैयार नहीं हैं, तो अधिकारियों को किराये पर भेजकर तत्काल भवन खाली किए जाएँ, ताकि जजों को प्राथमिकता के आधार पर आवास उपलब्ध करवाया जा सके। अदालत ने टिप्पणी की जिला बनाने से पहले तैयारी होनी चाहिए थी। अगर पंजाब सरकार पहले से प्लानिंग करती, तो आज यह स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती। सरकार ने आने वाले चुनावों का हवाला देते हुए समय मांगा, पर हाई कोर्ट ने साफ कह दिया कि डेडलाइन में कोई राहत नहीं दी जाएगी।

समर एक्सप्रेस

पंजाब का सबसे छोटा जिला मलेरकोटला बदहाल
म... से मलेरकोटला म... से मुसीबत बनकर रह गया

24 नवंबर को समर एक्सप्रेस में प्रकाशित खबर

*बता दें कि समर एक्सप्रेस ने 24 नवंबर को **म से मलेरकोटल, म से मुसीबत**.. इस बाबत खबर प्रकाशित की थी। गौरतलब है कि साल 2021 में तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने चुनाव नजदीक देखते हुए इसे आनन-फानन में जिला बनाने की घोषणा कर दी थी। लेकिन चार साल से ये जिला अब भी अपनी बुनियादी जरूरते पूरी नहीं कर सका।*

इंडिगो संकट... लगातार 1,200 से अधिक उड़ानें रद्द

सरकार ने दबाव में नियम ढीले किए; किराए डबल, यात्रियों की दुर्दशा बढ़ी

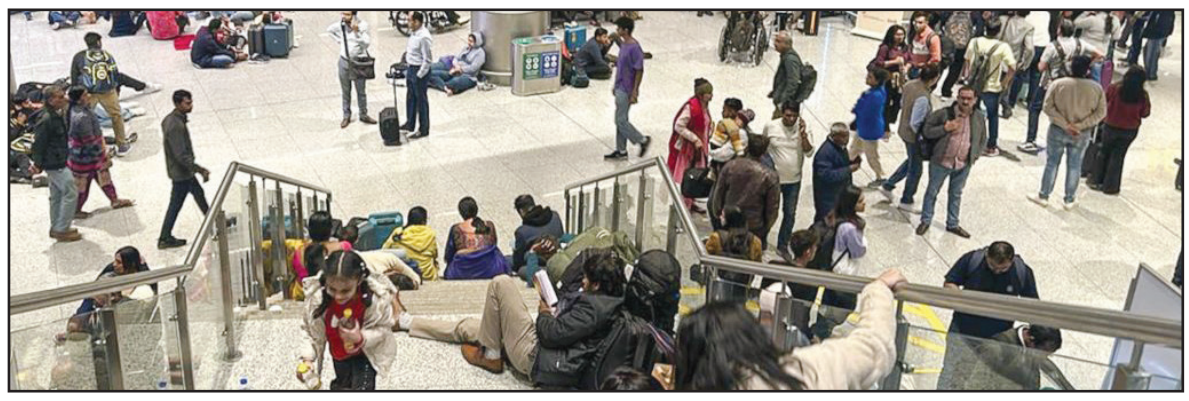

समर न्यूज | नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो पिछले चार दिनों से बुरी तरह संचालन संकट में फंसी हुई है। क्रू की भारी कमी, नए फ्लाइट ड्यूटी नियमों और गलत अनुमान के चलते हज़ारों यात्रियों की यात्रा योजनाएं चरमरा गई हैं। दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और मुंबई जैसे प्रमुख एयरपोर्ट यात्रियों से भर गए, जबकि सैकड़ों लोग 20–24 घंटे तक उड़ान के इंतजार में दुर्गति झेलते रहे। कहीं खाना-पानी के लिए बहस, कहीं भीड़ और अफरा-तफरी—एयरपोर्ट व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई।

इंडिगो के इस संकट का असर अन्य एयरलाइनों पर भी पड़ा। वैकल्पिक उड़ानों की भारी मांग के बीच टिकट के दाम आसमान छू गए। यात्रा पोर्टलों पर 6 दिसंबर को दिल्ली से बेंगलुरु की सामान्य टिकट का किराया 40,000 से 80,000 के बीच पहुंच गया। यानी, आम दिनों की तुलना में तीन से चार गुना तक वृद्धि। यह स्थिति उस समय और विचित्र हो गई, जब हजारों यात्री हवाई अड्डों पर फंसे रहते हुए भी उन्हें दूसरी उड़ानें बेहद महंगी दरों पर खरीदनी पड़ीं।

इसी अव्यवस्था के बीच शुक्रवार को केंद्र सरकार दबाव में आई। नागरिक उड्डयन मंत्रालय और DGCA ने त्वरित बैठक के बाद घोषणा की कि उड़ानों को जल्द बहाल करने के लिए नियमों में अस्थायी ढील दी जा रही है। यह राहत मुख्य रूप से उन नियमों से जुड़ी है, जिन्हें हाल ही में नवंबर 2024 से लागू किया गया था। नए नियमों में पायलटों के लिए 48 घंटे के साप्ताहिक आराम और लगातार नाइट शिफ्ट पर प्रतिबंध शामिल थे। उद्देश्य क्रू थकान रोकना था, लेकिन इंडिगो की ओर से रोस्टर और भर्ती प्रबंधन में चूक के चलते ये नियम भारी पड़ गए। ताजा राहत के बाद अब क्रू को पहले की तरह 36 घंटे का ही वीकली रेस्ट दिया जाएगा। यह राहत 10 फरवरी 2026 तक लागू रहेगी।

एयरलाइन का कहना है कि नए नियमों के कारण पायलट उपलब्धता घट गई, और संचालन योजना बिगड़ गई। इसलिए संचालन सामान्य होने में समय लगेगा। वहीं, पायलट संघों का आरोप इससे ठीक विपरीत है। उनके अनुसार एयरलाइन ने दो साल पहले तय हुए नियमों की जानकारी होते हुए भी भर्ती धीमी रखी, रोस्टर तैयार करने में लापरवाही की और अंतिम समय में अराजकता खड़ी की ताकि नियामक दबाव में आए। यूनियन का यह भी आरोप है कि एयरलाइंस ने एयरपोर्ट स्लॉट बचाने के लिए जितनी उड़ानें शेड्यूल कीं, उतना क्रू मौजूद ही नहीं था।

इस बीच, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यात्रियों के लिए राहत के उपाय घोषित किए। अब एयरलाइन फंसे यात्रियों को होटल में ठहराने, भोजन और आवश्यक सुविधाएँ मुहैया कराने, रद्द उड़ानों पर स्वचालित रिफंड जारी करने और विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को लाउंज सुविधा देने के लिए बाध्य होंगी।

स्थिति की निगरानी के लिए मंत्रालय में 24×7 कंट्रोल रूम सक्रिय है। सरकार ने कहा है कि वह यात्रियों की परेशानी के प्रति संवेदनशील है और किसी भी तरह की देरी और अव्यवस्था को कम करने लिए हर संभव कदम उठाया जाएगा। हालांकि, DGCA ने स्पष्ट किया कि यह छूट सार्वजनिक हित में दी गई अस्थायी व्यवस्था है और यदि सुरक्षा प्रभावित होती दिखी तो इसे तुरंत वापस लिया जा सकता है।

फिलहाल, एयरलाइन और नियामक दोनों कठघरे में हैं—एक ओर यात्रियों की दुर्दशा और महंगे टिकटों की मार, दूसरी ओर पायलटों की थकान और संचालन में बदइंतज़ामी। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या राहत उपाय वास्तव में स्थिति सामान्य करेंगे या यह संकट भारत की हवाई सेवाओं के ढांचे की गहरी खामियों को उजागर करते हुए और गंभीर रूप ले लेगा।

फ्लाइट रद्द होने से जोड़े ने वीडियो कॉल पर मनाई रिसेप्शन

इंडिगो उड़ानों में भारी देरी और रद्द होने के बीच कई यात्रियों की योजनाएँ प्रभावित हुईं। इन्हीं में से एक कर्नाटक के हुबली का एक नवविवाहित जोड़ा भी था, जो अपने ही शादी के रिसेप्शन में शामिल नहीं हो सका। हालांकि, परिवार के एक अनोखे फैसले ने इस परेशान माहौल को यादगार बना दिया—कपल ने डिजिटल तरीके से ही अपना रिसेप्शन सेलिब्रेट किया।

इस जोड़े की शादी 23 नवंबर को भुवनेश्वर में हुई थी। 2 दिसंबर को हुबली में रिसेप्शन आयोजित था, जिसके लिए उन्होंने बेंगलुरु के रास्ते कनेक्टिंग फ्लाइट बुक की थी। वहीं, रिश्तेदारों में से कुछ लोगों ने मुंबई के रूट से यात्रा की योजना बनाई थी। लेकिन 2 दिसंबर की सुबह से शुरू हुई फ्लाइट देरी पूरी रात जारी रही। अगले दिन सुबह, कपल को जानकारी मिली कि उनकी उड़ान अचानक रद्द कर दी गई है। परिवार को जैसे ही पता चला कि दूल्हा-दुल्हन समय पर नहीं पहुंच पाएंगे, सभी बेहद निराश हो गए। मेहमान पहले से मौजूद थे, तैयारियां पूरी हो चुकी थीं और इस स्थिति में कार्यक्रम रद्द करना मुश्किल था। काफी विचार-विमर्श के बाद परिवार ने निर्णय लिया कि रिसेप्शन ऑनलाइन ही मनाया जाएगा।

भारत- रूस रणनीतिक साझेदारी को नई रफ्तार

6 बड़ी डील, 30 दिन का फ्री वीजा, पोलर शिपबिल्डिंग से ऊर्जा सहयोग तक समझौते

समर न्यूज | नई दिल्ली

नई दिल्ली में आयोजित भारत–रुस व्यापार फोरम और 23वें वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आर्थिक, तकनीकी और सामरिक सहयोग को नई ऊंचाई देने वाली कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ और समझौते किए। इन बैठकों ने स्पष्ट कर दिया कि भू-राजनीतिक बदलावों और यूक्रेन युद्ध के दौर में भी भारत–रूस साझेदारी स्थिर, आत्मविश्वासी और बहुआयामी बनी हुई है।

सबसे महत्वपूर्ण घोषणाओं में रूसी पर्यटकों के लिए 30 दिन का मुफ्त वीजा, और रूस द्वारा भारत को बिना रुकावट तेल निर्यात जारी रखने का भरोसा शामिल है। मोदी सरकार का मानना है कि वीजा नियमों में यह बदलाव दोनों देशों के बीच लोग-से-लोग जुड़ाव, टूरिज़्म, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बड़ा विस्तार देगा। प्रधानमंत्री मोदी ने बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ पुतिन की भारत यात्रा को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत और यूरेशियन आर्थिक संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा तेज हो चुकी है, जिससे व्यापार और निवेश में अभूतपूर्व वृद्धि की संभावना है। मोदी के अनुसार, भारत–रूस का व्यापार 2030 से पहले ही 100 अरब डॉलर का स्तर पार कर सकता है।

• भारत–रूस के बीच हुई 6 प्रमुख समझौते

- कोऑपरेशन एंड माइग्रेशन समझौता
- अस्थायी श्रमिक गतिविधियों पर समझौता
- हेल्थकेयर और मेडिकल एजुकेशन सहयोग
- फूड सेफ्टी और स्टैंडर्ड्स पर समझौता
- पोलर शिप्स और समुद्री सहयोग समझौता
- फर्टिलाइज़र सहयोग समझौता

शिखर सम्मेलन में दोनों देशों ने 'विजन 2030' दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। यह दस्तावेज अगले दशक में भारत–रूस के आर्थिक सहयोग की दिशा तय करेगा।

• ऊर्जा व क्रिटिकल मिनरल साझेदारी का विस्तार

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा भारत–रूस संबंधों की मजबूत नींव रही है। न्यूक्लियर ऊर्जा, तेल–गैस और क्रिटिकल मिनरल के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया जाएगा, जो क्लीन एनर्जी, हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग और उभरते उद्योगों को मजबूती देगा। पुतिन ने आश्वासन दिया कि रूस भारत को तेल आपूर्ति में किसी प्रकार की रुकावट नहीं आने देगा।

यूक्रेन मुद्दे पर भारत का रुख

प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत शांति के पक्ष में है और यूक्रेन संघर्ष का समाधान संवाद और कूटनीति से ही संभव है। भारत किसी भी स्थायी समाधान के प्रयासों का समर्थन जारी रखेगा। रूसी राष्ट्रपति की यह यात्रा फरवरी 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है।

RBI ने ब्याज दर 0.25% घटाई, लोन सस्ते होंगे

समर न्यूज | नई दिल्ली

लोन अब और सस्ते होंगे। रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया ने ब्याज दरों में कटौती करते हुए रेपो रेट को 0.25% घटाकर 5.25% कर दिया है। यह निर्णय 3 से 5 दिसंबर के बीच हुई मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक में लिया गया, जिसकी घोषणा गवर्नर संजय मल्होत्रा ने की।

रेपो रेट कम होने पर बैंकों के लिए उधार लेना सस्ता हो जाता है, और वे आगे ग्राहकों को कम ब्याज दर पर लोन उपलब्ध कराने लगते हैं। इसी वजह से होम, ऑटो और पर्सनल लोन की ईएमआई में कमी आने वाली है। मौजूदा ग्राहकों के साथ-साथ नए लोन लेने वालों को भी इसका लाभ मिलेगा।

• ईएमआई में कितना फर्क पड़ेगा?

रेपो रेट में कटौती से लंबे समय के लोन पर ब्याज का बोझ घटेगा। उदाहरण के तौर पर 20 लाख रुपए के 20 साल के लोन की ईएमआई में लगभग 310 रुपए प्रतिमाह की कमी होगी। 30 लाख के लोन की ईएमआई 465 रुपए कम हो जाएगी।

• हाउसिंग और ऑटो सेक्टर में बढ़ेगी मांग...कम ब्याज दरों के चलते बैंक आमतौर पर हाउसिंग और ऑटो लोन पर भी दरें घटाते हैं। इससे प्रॉपर्टी खरीदने वालों की संख्या बढ़ती है और रियल एस्टेट बिज़नेस को गति मिलती है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कटौती रियल एस्टेट सेक्टर और ऑटो इंडस्ट्री, दोनों के लिए सकारात्मक संकेत है।

▪ चार बार कटौती, कुल 1.25% घटा रेपो रेट...इस साल RBI ने लगातार ब्याज दरों में राहत दी है। फरवरी में 6.50% से घटाकर 6.25%, अप्रैल में 0.25% की फिर कटौती, जून में 0.50% की कमी और अब दिसंबर में 0.25% की कटौती। चार चरणों में रेपो रेट कुल 1.25% घट चुका है। फरवरी से पहले 5 साल तक रेपो रेट स्थिर रहा था।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट का फैसला: निष्पक्ष सुनवाई आरोपी का अधिकार, पुलिस की गोपनीयता पर भारी

सारांश मेहरा | चंडीगढ़
समर न्यूज

पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि आरोपी यदि अपने बचाव के लिए पुलिस अधिकारियों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड और मोबाइल टावर लोकेशन की मांग करता है, तो उसका यह अधिकार पुलिस अधिकारियों की प्राइवेसी के अधिकार से ऊपर माना जाएगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि निष्पक्ष जांच और ट्रायल सुनिश्चित करना अनुच्छेद 21 के तहत आरोपी का मौलिक अधिकार है।

न्यायमूर्ति यशवीर सिंह राठौर ने 20 नवंबर को दिए फैसले में कहा कि BNSS की धारा 94 (जो दस्तावेज़, इलेक्ट्रॉनिक डाटा और अन्य वस्तुओं की मांग की अनुमति देती है) का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी महत्वपूर्ण साक्ष्य छिपा न रहे और सत्य सामने आए। अदालत ने माना कि इन रिकॉर्ड्स को सुरक्षित और प्रस्तुत करने में पुलिस अधिकारियों की निजता प्रभावित हो सकती है, लेकिन न्याय प्राप्ति इससे अधिक महत्वपूर्ण अधिकार है।

▪ मामला क्या था...

आरोपी ने ट्रायल कोर्ट में याचिका दायर कर तीन पुलिस अधिकारियों की CDR और लोकेशन डाटा की मांग की थी। आरोप यह था कि पुलिस ने गुप्त जानकारी के आधार पर आरोपी को 900 ग्राम चरस और उसके साथी से 315 ग्राम अफीम सहित पकड़ा। आरोपी का दावा था कि कॉल लोकेशन से यह साबित किया जा सकता है कि पुलिस की "कहानी सही नहीं है।"

• दोनों पक्षों की दलीलें...

आरोपी की ओर से कहा गया कि लोकेशन डाटा सुरक्षित न रखा गया तो सच सामने आने से पहले ही सबूत नष्ट हो जाएंगे। राज्य सरकार की ओर से यह तर्क दिया गया कि ऐसा करने से पुलिस कर्मियों की निजता का उल्लंघन होगा और आरोपी को ऐसा अधिकार नहीं दिया जा सकता।

▪ हाईकोर्ट का निर्णय...

अदालत ने कहा कि धारा 94 BNSS न्यायालय को यह अधिकार देती है कि वह ऐसे सबूत सुरक्षित करने और प्रस्तुत करने का आदेश दे, ताकि अदालत निष्पक्ष निर्णय ले सके। अदालत ने यह भी कहा कि आरोपी को पहले यह दिखाना होगा कि यह डाटा उसके मामले में आवश्यक है।

पेज 1 एंकर स्टोरी यस बैंक धोखाधड़ी केस में बड़ा एक्शन, कुल अटैचमेंट 10,117 करोड़ पार

ईडी ने अनिल अंबानी ग्रुप की 1,120 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

एजेंसी | नई दिल्ली

ईडी ने यस बैंक धोखाधड़ी केस में रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की 1,120 करोड़ से अधिक की संपत्तियां कुर्क कीं। इसमें 18 से ज्यादा संपत्तियां, एफडी, बैंक बैलेंस और अनलिस्टेड निवेश शामिल हैं। कार्रवाई के बाद समूह से जुड़ी संपत्तियों का कुल अटैचमेंट बढ़कर 10,117 करोड़ पहुंच गया। यह कार्रवाई रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड, RCFL और यस बैंक धोखाधड़ी केस से जुड़ी जांच का हिस्सा है।

किन संपत्तियों को कुर्क किया गया?

ईडी के अनुसार, कुर्क संपत्तियों में शामिल हैं:रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की 7 संपत्तियां, रिलायंस पावर लिमिटेड की 2 संपत्तियां, रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की 9 संपत्तियां, रिलायंस वैल्यू सर्विस, रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट, फ़ाई मैनेजमेंट सॉल्यूशंस, आधार प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी, गेम्सा इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट के नाम पर FDs और बैलेंस, कई अनलिस्टेड निवेश। ईडी ने कहा कि पहले 8,997 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की जा चुकी थीं, जिन्हें अब जोड़कर कुल कुर्क राशि 10,117 करोड़ हो गई है। इस मामले में अनिल अंबानी के प्रवक्ता से संपर्क किया गया है, लेकिन जवाब अभी नहीं मिला।

जांच में क्या सामने आया?

ED के अनुसार, 2017 से 2019 के बीच यस बैंक ने RHFL में 2,965 करोड़ और RCFL में 2,045 करोड़ निवेश किए, जो दिसंबर 2019 तक डूबे हुए निवेश में बदल गए। RHFL पर 1,353.50 करोड़ और RCFL पर 1,984 करोड़ बकाया रह गए। एजेंसी ने आरोप लगाया कि अनिल अंबानी समूह की कंपनियों ने म्यूचुअल फंड्स में मौजूद जनता के पैसे को अप्रत्यक्ष रूप से यस बैंक के माध्यम से फाइनेंस कंपनियों तक पहुंचाया। सेबी नियमों के कारण म्यूचुअल फंड सीधे समूह की कंपनियों में निवेश नहीं कर सकते थे।

RCOM केस में भी बड़ी हेराफेरी

CBI की FIR के आधार पर ED ने रिलायंस कम्युनिकेशंस (RCOM), अनिल अंबानी और अन्य के खिलाफ भी जांच शुरू की है। 2010–12 के बीच समूह ने देशी–विदेशी बैंकों से लोन लिया, जिसमें 40,185 करोड़ बकाया है। जांच में यह भी सामने आया कि 13,600 करोड़ 'Evergreening' में इस्तेमाल , 12,600 करोड़ संबंधित कंपनियों में स्थानांतरित, 1,800 करोड़ FDs व म्यूचुअल फंड्स में निवेश, फिर वापस समूह को भेजा गया। कई लोन विदेश में रेमिटेंस के जरिए siphon किए गए।

पंजाब में किसानों ने 19 जिलों में 26 जगह 2 घंटे रेलवे ट्रैक जाम कर जताया अपना विरोध प्रदर्शन

समर न्यूज | पंजाब

पंजाब में शुक्रवार को किसान संगठनों ने दोपहर 1 से 3 बजे तक रेलवे ट्रैक जाम कर प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। यह धरना जम्मू-कश्मीर और केंद्र सरकार के कृषि नीतियों और बिजली बोर्ड के प्राइवेटकरण के खिलाफ है। इसके चलते पंजाब के 19 जिलों में 26 स्थानों पर किसानों का विरोध प्रदर्शन होगा, जो रेलवे यातायात को प्रभावित करेगा।

प्रदर्शन की तैयारी के बीच पुलिस ने दिखाया कड़ा रुख

किसान संगठनों द्वारा प्रदर्शन की योजना के सामने आते ही पुलिस ने शुक्रवार तड़के ही कार्रवाई शुरू कर दी। भारतीय किसान मजदूर यूनियन के प्रमुख दिलबाग सिंह, मक्खन सिंह और सुखदेव मगली सहित कई किसान नेताओं को हिरासत में लिया गया और कुछ को उनके घरों में नजरबंद कर दिया गया। पुलिस के इस अचानक कार्रवाई से किसानों और समर्थकों में गहरी नाराजगी व्याप्त है।

भारतीय किसान मजदूर यूनियन के अध्यक्ष दिलबाग सिंह ने बताया कि पुलिस ने रात से ही छापेमारी कर किसानों को परेशान करना शुरू कर दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान को केंद्र सरकार का दूसरा चेहरा बताते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश में बिजली बोर्ड का प्राइवेटकरण किया जा रहा है, जिससे सरकारी जमीनें निजी हाथों में चली जाएंगी। उनका कहना है कि इससे गरीब लोगों की बिजली सेवा बंद हो सकती है और करीब 90 फीसदी गरीब बिजली से वंचित हो जाएंगे।

रेलवे ट्रैक पर 2 घंटे का धरना, सड़क जाम से परहेज

किसानों ने स्पष्ट किया है कि वे केवल रेलवे ट्रैक जाम करेंगे, जिससे रेलवे यातायात प्रभावित होगा, लेकिन हाईवे या किसी अन्य सड़कों पर प्रदर्शन या जाम नहीं लगाएंगे। इसका मकसद सड़क यातायात को सुचारु बनाए रखना है ताकि आम जनता को विशेष परेशानी न हो।

फिरोजपुर रेलवे मंडल के सीनियर

विरोध प्रदर्शन करते किसान। - समर न्यूज

डिप्टी कमर्शल मैनेजर परमदीप सिंह सैनी ने बताया कि रेलवे प्रशासन पूरी तरह चौकस है और ट्रेनों के समय-सारिणी पर उत्सुकता से नजर रख रहा है। प्रदर्शन से प्रभावित होने वाली ट्रेनों की सूची थोड़ी ही देर में जारी कर दी जाएगी ताकि यात्रियों को समय पर जानकारी मिल सके और वे अपनी यात्रा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर सकें।

किसानों के इस दो घंटे के रेलवे धरने से इस समय कई ट्रेनों के प्रभावित होने की संभावना है। इसलिए यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी ट्रेनों की स्थिति की जांच कर लें या यात्रा योजना में बदलाव कर लें। प्रशासन भी अतिक्रमण मुक्त रखने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है।

किसानों का यह विरोध प्रदर्शन पंजाब में नए राजनीतिक संकट का संकेत माना जा रहा है, जहां बिजली बोर्ड के प्राइवेटकरण और सरकारी जमीनों के निजीकरण के विरोध में किसान सशक्त मोर्चा खोल चुके हैं। प्रदर्शन के कारण राज्य में सामाजिक-राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है और भविष्य में आंदोलन और तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

यह कदम किसान संगठनों की केंद्र और राज्य सरकारों के खिलाफ बढ़ती नाराजगी और असंतोष को दर्शाता है, जो विविध मुद्दों पर लंबे समय से संघर्षरत हैं। पंजाब में किसान आंदोलन की यह नई लहर सुरक्षा बलों की तैनाती, प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई के बीच जारी है।

हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर में हाईकोर्ट में सुरक्षा कड़ी और सुनवाई पूरी तरह ठप

समर न्यूज | जयपुर

शुक्रवार सुबह लगभग 10:15 बजे राजस्थान हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार के ईमेल आईडी पर एक खतरनाक धमकी भरा मेल आया, जिसमें हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई थी।

यह सूचना मिलते ही अधिकारी अलर्ट मोड पर आ गए और तुरंत हाईकोर्ट परिसर को पूरी तरह खाली कराने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। राज्य सरकार की दिशा में हाईकोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था तुरंत बढ़ा दी गई और परिसर में अतिरिक्त फोर्स तैनात कर दी गई। इस धमकी के बाद हाईकोर्ट की सभी सुनवाई तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दी गईं, जिससे न्यायिक व्यवस्था कुछ समय के लिए पूरी तरह ठप हो गई।

राजस्थान पुलिस के साथ-साथ बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड को हाईकोर्ट परिसर की जांच करने के लिए तैनात किया गया है। जांच टीम ने हाईकोर्ट के हर कोने और आसपास के इलाकों को सावधानीपूर्वक छानबीन करना शुरू कर दिया है। फिलहाल कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। कोर्ट परिसर में आने-जाने वाले सभी व्यक्तियों, वाहनों, और सामानों की कड़ी जांच की जा रही है ताकि किसी भी तरह की संभावित खतरे को पहले ही रोका जा सके।

धमकी के ईमेल में भाजपा शासित राज्यों की अदालतों को निशाना बनाया गया

धमकी भरे ईमेल में तमिलनाडु के थिरुपरनकुंद्रम मामले का भी जिक्र करते हुए यह दावा किया गया कि भाजपा शासित राज्यों की अदालतों में ऐसे धमाके किए जाएंगे। इस धमकी की वजह से हाईकोर्ट में तनाव और सुरक्षा की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। यह धमकी आए दिन बढ़ते हुए खतरों की एक कड़ी मानी जा रही है, जिससे राजस्थान समेत अन्य राज्यों के उच्च न्यायालयों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

यह पहली बार नहीं है जब जयपुर में इस प्रकार की धमकी दी गई हो। लगभग एक महीने पहले भी जयपुर हाईकोर्ट को बम धमकी मिली थी, जिसे भी गंभीरता से लिया गया था।

इसके अलावा, सिर्फ राजस्थान में ही नहीं, बल्कि गुरुवार को अजमेर में दरगाह और कलेक्ट्रेट को भी बम धमकी मिली थी, जो सुरक्षा की व्यापक कमजोरी को दर्शाती है। इस प्रकार की लगातार धमकियां समाज में भय फैलाने के साथ-साथ न्यायिक संस्थाओं पर दवाव डालने का प्रयास मानी जा रही हैं।

राजस्थान पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां इस मामले की गहनता से जांच कर रही हैं, साथ ही संभावित संदिग्धों की तलाश और सुरक्षा योजनाओं को और मजबूत करने की दिशा में कदम उठा रही हैं। इस हालात में नागरिकों से भी आव्हान किया गया है कि वे हाईकोर्ट परिसर और अन्य संवेदनशील स्थानों के आसपास किसी भी संदिग्ध परिस्थिति या वस्तु को तुरंत पुलिस को सूचित करें।

इस धमकी ने न्यायिक संस्थान की सुरक्षा के प्रति सतर्कता बढ़ा दी है और साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को और भी मजबूत बनाने की जरूरत को भी उजागर किया है।

बीकानेर में युवती से रेप के बाद हत्या

मजदूरों ने चाय पीने के बहाने युवती से किया दुष्कर्म

समर न्यूज | बीकानेर

बीकानेर के सरूणा थाना क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार को 18 वर्षीय युवती के साथ दरिंदगी के बाद उसकी हत्या कर दी गई। आरोपी ने महिला का शव डिग्गी में फेंक दिया था। मामला सामने आने के बाद परिजन और ग्रामीण पुलिस के खिलाफ सख्त मामला दर्ज करने की मांग लेकर जोरदार प्रदर्शन में उतर गए। परिजन बताते हैं कि पुलिस ने शुरू में ही मामले को गंभीरता से नहीं लिया और केवल आकस्मिक मृत्यु का मर्ग दर्ज किया। परिजनों ने देर रात थाने के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दबाव के बाद पुलिस ने करीब रात 3 बजे हत्या और बलात्कार का मामला दर्ज किया।

पुलिस की कार्रवाई न होने से नाराज ग्रामीण शुक्रवार सुबह से ही धरने पर बैठ गए। श्रीडूंगरगढ़ हॉस्पिटल

की मोर्चरी के बाहर बड़ी संख्या में लोग जुटे और भविष्य में आंदोलन की रणनीति बना रहे हैं। आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और सख्त सजा की मांग जोरशोर से उठाई जा रही है। मृतका की बेटी ने पुलिस को बताया कि परिवार खेत पर रहता है, जहां दो मजदूर काम करते थे। 3 दिसंबर की रात इन मजदूरों ने उससे चाय पीने के लिए कहा। जब उसने मना किया तो वे बार-बार कहने लगे और आखिरकार वह चाय बना दी। इसके बाद मजदूरों ने इस घटना को अंजाम दिया। युवती के चिल्लाने पर उसकी मां बचाने पहुंची, लेकिन आरोपी ने दोनों को डिग्गी में फेंक दिया और मौके से फरार हो गए।

घटना की सूचना पर स्थानीय लोग उमड़ पड़े। बड़ी भीड़ ने डिग्गी को तोड़कर उसमें जमा पानी निकाला और युवती का शव बाहर निकाला, फिर उसे श्रीडूंगरगढ़ हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन शुरू में गंभीर कार्रवाई नहीं की।

परिजन पुलिस से हत्या और रेप का मामला दर्ज करने की मांग कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने शुरू में मना कर दिया। परिजन और ग्रामीणों ने देर रात थाने के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद पुलिस ने मामला गंभीरता से लेते हुए हत्या व बलात्कार का केस दर्ज किया। अब पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है और जल्द ही गिरफ्तारी की संभावना है।

जालंधर बच्ची हत्याकांड में नया खुलासा

मानवाधिकार संगठन का दावा हत्या के समय घर में मौजूद थे दो लोग

पुलिस की कार्रवाई पर उठे गंभीर सवाल, केस की जांच बाहरी अधिकारी से कराने की मांग

समर न्यूज | जालंधर

जालंधर में 13 वर्षीय लड़की की हत्या के मामले में मानवाधिकार संगठन पंजाब ने पुलिस कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए हैं। संगठन के जिला प्रधान शशि शर्मा ने वीडियो जारी कर दावा किया है कि घटना के वक्त आरोपी के घर के अंदर एक नहीं, बल्कि दो लोग मौजूद थे। उनका कहना है कि सबसे पहले मौके पर पहुंचे एएसआई ने भी यह बात कही थी, लेकिन पुलिस ने इसे केस में शामिल नहीं किया। शर्मा का आरोप है कि यदि पुलिस लोगों को अंदर जाने देती, तो दोनों को मौके पर ही पकड़ा जा सकता था।

उन्होंने बताया कि सेवा से टर्मिनेट किए गए मंगत राम ने भी अपने बयान में स्वीकार किया था कि घर में दो आरोपी थे। इसके बावजूद पुलिस ने दूसरे आरोपी को नामजद नहीं किया। शर्मा ने कहा कि पुलिस रिमांड के दौरान भी इस महत्वपूर्ण तथ्य को कोर्ट के सामने नहीं रखा गया। उनका कहना है कि पुलिस को जल्द से जल्द दूसरे आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार करना चाहिए।

संगठन ने मंगत राम की बर्खास्तगी की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं। शशि शर्मा के अनुसार, पुलिस सर्विस एक्ट 311 के तहत पहले नोटिस देकर जवाब लेना जरूरी था, उसके बाद जांच कर कार्रवाई की जानी चाहिए थी। बिना नियमों के पालन के की गई बर्खास्तगी अक्सर अदालत में रद्द हो जाती है और कर्मचारी दोबारा सेवा में बहाल हो जाते हैं, जिससे मामले की गंभीरता

शशि शर्मा। - समर न्यूज

कम हो जाती है।

मानवाधिकार संगठन ने पुलिस पर कई महत्वपूर्ण आरोप लगाए हैं।

पहला, लड़की की गुमशुदगी की सूचना 22 नवंबर को शाम 7 बजे कंट्रोल रूम को मिली, लेकिन तत्काल FIR दर्ज नहीं की गई।

दूसरा, जांच के लिए भेजे गए पुलिस दल के साथ सफाईकर्मी को ले जाना नियम के विपरीत बताया गया।

तीसरा, मौके पर एएसआई मंगत राम, एएसआई लखवीर सिंह और सिपाही हरदीप सिंह ने लड़की की मां के बयान ले लिए थे, फिर भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई।

चौथा, मौके पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारी अजमेर सिंह घरेलू काम का हवाला देकर वापस लौट गए, जिसे संगठन ने गंभीर लापरवाही बताया। पांचवां, एसएचओ को सूचना देने के बावजूद वह स्वयं मौके पर नहीं पहुंचे।

संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि गुमशुदगी की सूचना शहर के अन्य थानों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड तथा धार्मिक स्थलों तक नहीं पहुंचाई गई। तकनीकी टीम को बुलाकर सीसीसटीवी फुटेज भी जांचा नहीं गया। थाने में न तो डीडीआर दर्ज की गई और न ही जीडीआरआई लाश मिलने पर भी सीनियर अधिकारियों को समय रहते सूचना नहीं भेजी गई। सबसे चिंताजनक बात यह बताई गई कि बिना एफआईआर दर्ज किए ही शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। एफआईआर लगभग 18 घंटे की देरी से दर्ज की गई, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

संगठन की मांग है कि मामले की जांच जालंधर पुलिस कमिश्नरेट से बाहर के किसी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को सौंपी जाए, ताकि पूरी सच्चाई सामने आ सके और जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई हो सके।

सुल्तानपुर लोधी में बेटे ने कांग्रेस के खिलाफ उतारे उम्मीदवार

पंजाब प्रधानगी की दौड़ में नाम शामिल, फिर भी पार्टी नेताओं से चल रहा टकराव, दोआबा कांग्रेस में गुटबंदी

समर न्यूज | सुल्तानपुर लोधी

पंजाब कांग्रेस में एक बार फिर गुटबंदी खुलकर सामने आ गई है। सीनियर नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री राणा गुरजीत सिंह लंबे समय से पार्टी हाईकमान में प्रभावशाली माने जाते हैं और पंजाब प्रधानगी के प्रबल दावेदारों में शामिल हैं। लेकिन प्रदेश प्रधान अमरिंदर राजा वड़िंग सहित दोआबा के कई नेताओं जिनमें सुखपाल सिंह खैहरा, जिला प्रधान बलविंदर सिंह धालीवाल और नवतेज चीमा के साथ उनकी तनातनी जगजाहिर है। इसके बावजूद पार्टी नेतृत्व उनके नाम पर विचार कर रहा है।

इसी बीच सुल्तानपुर लोधी में राणा परिवार ने खुलकर कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा संभाल लिया है। पिछले विधानसभा चुनाव में राणा गुरजीत ने अपने बेटे राणा इंद्र प्रताप सिंह को कांग्रेस उम्मीदवार

राणा गुरजीत-चीमा टसल बढ़ी

नवतेज चीमा के मुकाबले आज़ाद उम्मीदवार के रूप में उतारा था, जिसमें इंद्र प्रताप बड़ी बढ़त से विजयी हुए। अब जिला परिषद और ब्लॉक समिति चुनावों में भी राणा परिवार ने कांग्रेस के खिलाफ कदम दोहराया है।

सुल्तानपुर लोधी से विधायक राणा इंद्र प्रताप सिंह के समर्थक पूरे क्षेत्र में कांग्रेस के प्रत्याशियों के खिलाफ स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। गुरुवार को सभी उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया। राणा इंद्र प्रताप स्वयं पूरे समय उनके साथ मौजूद रहे। रैली, नारों और ढोल-नगाड़ों ने नामांकन केंद्र का माहौल चुनावी उत्साह में बदल दिया।

इस मौके पर एमएलए राणा इंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि उनके समर्थकों का "चुनावी निशान राणा" है। उन्होंने दावा किया कि जनता विकास के मुद्दे पर उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि बिना सरकार में रहते हुए भी उनकी टीम लगातार लोगों की सेवा कर रही है, और यही कारण है कि लोग स्वेच्छा से उनके गुट के साथ जुड़ रहे हैं। इंद्र प्रताप का कहना है कि उनके उम्मीदवार जनता की भलाई को प्राथमिकता बनाकर चुनाव लड़ेंगे और बिना पार्टी सिंबल के भी जनसमर्थन उन्हें जीत दिलाने में सक्षम होगा।

सूत्रों के अनुसार, अधिकांश पुराने कांग्रेसी नेताओं ने राणा गुरजीत के संकेत पर इंद्र प्रताप के आज़ाद उम्मीदवारों के साथ खड़े होने का फैसला किया है। यह कदम नवतेज चीमा के खिलाफ सीधी राजनीतिक चुनौती माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि राणा गुरजीत नहीं चाहते कि चीमा क्षेत्र में राजनीतिक रूप से मज़बूती हासिल करें।

राणा गुरजीत और नवतेज चीमा की खींचतान कोई नई नहीं है। कांग्रेस सरकार के दौरान जब राणा गुरजीत को कैबिनेट में शामिल किया जाना था, उस समय चीमा और सुखपाल सिंह खैहरा ने इसका विरोध किया था। बाद में खैहरा आप में शामिल हो गए और 2017 के दौरान उन्होंने राणा गुरजीत पर खनन घोटाले, जमीन अधिग्रहण और बैंक लोन अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की। विवाद बढ़ा और राणा को मंत्री पद छोड़ना पड़ा। उसी समय से दोनों पक्ष आमने-सामने हैं।

मामला 2022 के विधानसभा चुनाव में फिर गरमाया, जब कांग्रेस ने सुल्तानपुर लोधी से नवतेज चीमा को टिकट दिया। राणा गुरजीत, उस समय पार्टी के मंत्री रहते हुए भी, अपने बेटे को उसी सीट से आज़ाद उम्मीदवार के रूप में उतार लाए। इसे पार्टी नेतृत्व ने खुले विद्रोह के रूप में देखा।

अमृतसर में कुत्ते ने चुराया युवक का बटुआ

समर न्यूज | अमृतसर

अमृतसर के लॉरेंस रोड पर एक चाय की दुकान पर बैठे युवक की चौंकाने वाली घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। युवक आराम से चाय पी रहा था, तभी अचानक एक कुत्ता उसकी कुर्सी के पास आकर उसका पर्स चुराकर भाग गया। सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट दिखाई देता है कि कुत्ता पीछे से आता है, युवक की कुर्सी से पर्स उठा लेता है और उसी वक्त वहां से भाग जाता है। यह नजारा देखकर युवक हैरान रह गया। पर्स खोने के बाद युवक ने तुरंत पुलिस कर्मियों के पास जाकर शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस और युवक मिलकर अब "कुत्ता चोर" की तलाश कर रहे हैं। यह अनोखा और मजेदार मामला सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है, जहां लोग इस घटना को देखकर मुस्कुरा रहे हैं। हालांकि चोरी का मामला गंभीर है, लेकिन कुत्ते द्वारा चोरी का यह किस्सा बहुत ही दिलचस्प और मनोरंजक साबित हुआ है।

पूर्व राष्ट्रपति ने किया पाईटैक्स का उदघाटन

पाईटैक्स का पंजाब से बाहर विस्तार करे पीएचडीसीसीआई

समर न्यूज | जालंधर

भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पीएचडी चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित किए जा रहे 19वें पाईटैक्स का औपचारिक उदघाटन शुक्रवार की शाम गुरु की नगरी अमृतसर में किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि देश के राष्ट्रगान में भी पंजाब सबसे पहले आता है। ब्रेड बास्केट ऑफ इंडिया के रूप में प्रसिद्ध रहा पंजाब आज बदल रहा है। यहां कृषि विभिन्नता नया रूप ले रही है। पंजाब आज एमएसएमई, तकनौलजी तथा इज ऑफ डुइंग बिजनेस के क्षेत्र में पावर हब बनता जा रहा है। इसका श्रेय पंजाब के मेहनत कश लोगों को जाता है। रामनाथ कोविंद ने कहा कि पंजाब हिम्मत, त्याग और उद्यम की जीती-जागती मिसाल है। श्री हरमंदिर साहिब की आध्यात्मिक रोशनी दुनिया भर में शांति और इंसानियत को प्रेरणा देती है। पंजाब की विरासत गहरी और प्रेरणा देने वाली है। पूर्व राष्ट्रपति ने पीएचडीसीसीआई प्रबंधकों को 19वें पाईटैक्स के लिए बधाई देते हुए कहा कि वह इसका विस्तार पंजाब से बाहर करें। पाईटैक्स के नाम से इस तरह का आयोजन देश की राजधानी दिल्ली में भी किया जाए तो इसका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसार होगा। पंजाब पारंपरिक रूप से हमारे देश का अन्न भंडार रहा है, जिसने लाखों लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की है। खेती के अलावा, पंजाब व्यापार, मैन्युफैक्चरिंग, एमएसएमई ग्रोथ और ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप के केंद्र के रूप में भी उभरा है। इसके लोगों का मेहनती स्वभाव, उनका ग्लोबल नज़रिया और बदलते आर्थिक माहौल के साथ तालमेल बिठाने की उनकी क्षमता पंजाब को बिजनेस और इनोवेशन के लिए एक स्वाभाविक केंद्र बनाती है। उन्होंने कहा कि पाईटैक्स ऐतिहासिक प्लेटफ़ॉर्म के रूप में विकसित हुआ है जो घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उद्यमों को एक साथ लाता है, सीमा पार साझेदारी को बढ़ावा देता है और आर्थिक संबंधों को मज़बूत करता है। यह एक्सपो सिर्फ़ एक बिजनेस प्रदर्शनी नहीं है।

नॉमिनेशन के आखिरी दिन माहौल तनावपूर्ण

बीएसपी नेताओं ने आप के खिलाफ नारेबाजी की, दीवार फांदकर अंदर गए

समर न्यूज | जालंधर

जालंधर के गोराया में नॉमिनेशन के आखिरी दिन माहौल तनावपूर्ण हो गया। नॉमिनेशन सेंटर के बाहर आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। मामला उस समय बिगड़ा जब BSP के कुछ नेता नॉमिनेशन दाखिल करने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया और कहा कि वह देर से आए हैं, इसलिए अब अंदर नहीं जा सकते।

इस बात से नाराज BSP कार्यकर्ताओं ने वहीं विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसी बीच नॉमिनेशन सेंटर से बाहर आए BSP नेताओं ने दावा किया कि आम आदमी पार्टी का एक सदस्य दीवार फांदकर अंदर

पहुंच गया, जिससे गेट पर खड़े लोग भड़क उठे और उन्होंने आप के खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए। हंगामा इतना बढ़ गया कि बाहर मौजूद बाएसपी नेता भी दीवार फांदकर नॉमिनेशन सेंटर के अंदर घुस गए। अंदर घुसने वालों में से एक व्यक्ति को पुलिसकर्मी ने रोकने की कोशिश की, जिस पर उसने आपत्ति जताते हुए कहा अगर वो अंदर जा सकते हैं तो हम क्यों नहीं वहीं बाएसपी पार्टियों के लोगों ने आरोप लगाया कि कहाना ढेसिया और मुठड़ा कलां से जुड़ी 2 फाइल समय खत्म होने के बाद आई है, इसलिए उसे जमा नहीं किया जाना चाहिए। इस पर रिटर्निंग ऑफिसर से भी शिकायत की गई। करीब आधे घंटे तक नॉमिनेशन सेंटर के अंदर हंगामा और नारेबाजी चलती रही। बाद में प्रशासन ने स्थिति संभालते हुए अंदर मौजूद सभी उम्मीदवारों की फाइलें लेकर मामला शांत कराया।

पंजाब पुलिस ने 79 नशा तस्करों को किया काबू

समर न्यूज | चंडीगढ़

पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को 284 स्थानों पर छापेमारी की। इन कार्रवाइयों के परिणामस्वरूप राज्यभर में 79 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया और 69 एफआईआर दर्ज की गईं। इसके साथ ही, 279 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या बढ़कर 39,254 हो गई है। छापेमारियों के दौरान गिरफ्तार तस्करों के कब्जे से 1.2 किलोग्राम हेरोइन, 2 किलोग्राम गांजा, 519 नशीली गोलियां और 18,300 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। 66 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 900 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 100 से अधिक पुलिस टीमों ने पूरे राज्य में 284 स्थानों पर छापेमारियां कीं। पुलिस ने आज 29 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार के लिए राज़ी किया है।

आदेश राजस्थान हाईकोर्ट का फैसलाः कपल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के आदेश

शादी की उम्र पूरी न होने पर भी लिव-इन की अनुमति

समर न्यूज | राजस्थान

राजस्थान हाईकोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप के एक महत्वपूर्ण मामले में ऐसा फैसला सुनाया है जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता को मजबूत आधार देता है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि यदि कोई लड़का या लड़की अभी विवाह योग्य उम्र तक नहीं पहुंचे हैं, तब भी वे अपनी इच्छा से लिव-इन रिलेशनशिप में रह सकते हैं। कोर्ट के अनुसार, शादी की उम्र पूरी न होना किसी व्यक्ति को उसके मौलिक अधिकारों से वंचित करने का कारण नहीं बन सकता। यह निर्णय कोटा के एक युवा कपल की याचिका पर आया, जिसमें 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 19

वर्षीय लड़के ने बताया कि वे 27 अक्टूबर 2025 से आपसी सहमति से साथ रह रहे हैं। परिवार के विरोध और जान से मारने की धमकी मिलने के कारण दोनों ने हाईकोर्ट में सुरक्षा की मांग की थी।

सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने तर्क दिया कि दोनों ही विवाह की न्यूनतम उम्र तक नहीं पहुंचे हैं, इसलिए उन्हें लिव-इन में रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती। लेकिन जस्टिस अनुप ढांड ने सरकारी वकील के तर्कों को खारिज करते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद 21 हर नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। किसी भी व्यक्ति की सुरक्षा को खतरा होना सीधे तौर पर इस मौलिक अधिकार का उल्लंघन माना जाएगा। अदालत ने यह भी दोहराया कि लिव-इन रिलेशनशिप न तो भारतीय कानून में अवैध है और न ही अपराध की श्रेणी में आता है। हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भीलवाड़ा और जोधपुर पुलिस को कपल को तत्काल सुरक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें किसी प्रकार का खतरा न रहे। कोर्ट का यह फैसला व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सहमति के अधिकार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

www.summerexpress.in

समर प्राइम 3

6 दिसंबर 2025

समर एक्सप्रेस

मैं बोलूंगा तो...

सनौरी अड्डा का स्वच्छ भारत डंप संस्करण

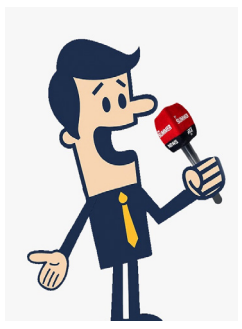

समर न्यूज | पटियाला

कहते हैं इंसान चंद्रमा पर पहुंच गया, AI रोबोट बना लिए, मगर पटियाला के सनौरी अड्डा–डाकला रोड वाले कुछ लोग अभी भी "कूड़ा कहां फेंकें" वाली प्रतियोगिता में अटके पड़े हैं। और मजे की बात मुकाबला इतना कठिन है कि विजेता हर रोज बदल जाता है।

शीश महल मोड़ से आगे तो लगता है किसी ने "कूड़ा फेंको ओलंपिक" ही शुरू कर रखा है। नए-नए खिलाड़ी आते हैं, पॉलीथिन का जैवलिन फेंकते हैं, हड्डां–रोड़ी का शॉटपुट डालते हैं, और खुश होकर भाग जाते हैं, आज फिर स्वच्छता मिशन को एक कदम पीछे धकेल दिया।

जंगली जीव अभयारण्य को भी उन्होंने नया नाम दे दिया है "सुलर डंप सिटी आउटलेट।

जानवर बेचारे सोच रहे होंगे "हम जंगल में रहते हैं या किसी की गली की नाली में?"

गाय, हिरण, सांभर, बंदर सब यहां प्लास्टिक खा-खा कर वही हाल कर रहे हैं जो इंसान गुस्से में ट्विटर पर पोस्ट पढ़कर करता है।

और प्रशासन?

वाह! वह तो दुनिया का सबसे शांत प्राणी है।

मेयर साहिब, नगर निगम, डीसी सब ने मिलकर एक सामूहिक निर्णय लिया है कि मामला कितना भी सड़े, हम नहीं उठने वाले।

इनके लिए तो यह पूरा इलाका शायद कोई "ऑर्गेनिक परफ्यूम फैक्टरी" है।

लोग रोज़ नाक दबाकर गुजरते हैं, मगर इन्हें फर्क तभी पड़ता है जब ऑफिस में AC की खुशबू बदल जाए।

उधर कुछ लोग अपने घर को ऐसे चमकाते हैं जैसे "सबसे सफाई-पसंद परिवार" का पुरस्कार मिलने वाला हो, और वही लोग बाहर आकर कूड़े को ऐसे उछालते हैं जैसे भगवान को भोग लगा रहे हों।

उनकी सोच "मेरे घर साफ, बाकी दुनिया भाड़ में जाए।"

किसी दिन डीयर पार्क वाले अधिकारी भी इधर घूम लें, तो शायद वे भी समझ जाएंगे कि जंगल की असली खाद अब प्लास्टिक और मरे हुए जानवरों का मिश्रण है।

थोड़े दिन और ऐसे ही चलते रहे, तो यहां कूड़ा कम और कूड़े पर प्रशासन की प्रेस रिलीज़ ज़्यादा दिखेंगी

"कठोर कार्रवाई होगी।"

"जांच बैठा दी है।"

"जिम्मेदारों को नहीं बख्शा जाएगा"

और फिर सब घर जाकर चैन से सो जाएंगे।

अब इलाका वालों को ही फैसला करना होगा

किसे सुधारना है? प्रशासन को या उन चव्वल दिमाग वाले इंसानों को जो जंगल को अपनी जेब समझ बैठे हैं?

कोई दिखे कूड़ा फेंकता बस उसका GPS रीसेट कर दो डांग नहीं, समझ पर मारो, पर ज़ोर से मारो।

और हां

जंगल को जंगल ही रहने दो, इसे अपनी "गंदगी की राजधानी" मत बनाओ।

वरना कल कोई बोर्ड लगा देगा "स्वागत है, सनोरी अड्डा डंपिंग सेन्च्युरी में।

बुड्ढा नाला: 10 को सियासी भरोसे की कसौटी

सीचेवाल का दावा 10 दिसंबर तक बुड्ढा नाला होगा साफ; सरकार के दावे और विपक्ष के सवाल के बीच जमीन पर बहता जहरीला सच

गुरशरण सिंह | लुधियाना
समर न्यूज

लुधियाना का बुड्ढा नाला केवल एक नाला नहीं, शहर की राजनीतिक कहानी है। कभी यह एक स्वच्छ जलधारा था, पर 1970 के दशक के बाद उद्योग और सीवरेज के बढ़ते दबाव ने इसे जहरीले नाले में बदल दिया। पिछले 30 वर्षों में सरकारें बदलती रहीं, बुड्ढा नाले की सफाई पर 2,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो गए, फिर भी लुधियाना के इन गांवों की किस्मत वैसी ही काली है, जैसी इस प्रदूषित नाले का पानी। हर सरकार ने इसे साफ करने का दावा किया, योजनाएं बनीं, बजट आया, शिलान्यास हुए, लेकिन गंदगी कम नहीं हुई। 1990 के बाद नाला चुनावी मुद्दा बन गया। सफाई के वादे वोट बैंक में बदलने लगे। राजनीतिक दलों ने इसे "लुधियाना का कैंसर ज़ोन" कहकर लोगों की भावनाओं का इस्तेमाल किया, पर नतीजे खोखले रहे।

फिर मंच पर आए समाजसेवी और राज्यसभा सांसद संत बलबीर सिंह सीचेवाल। उन्होंने धार्मिक भावना और पर्यावरणीय जागरूकता के साथ बुड्ढा नाला को बचाने का संकल्प लिया। सीचेवाल मॉडल के तहत पहले गांवों में जागरूकता, फिर नाले के किनारे सफाई अभियान और उद्योगों से डायलॉग—ये सब उनके नेतृत्व में शुरू हुआ। लेकिन रास्ता आसान नहीं

था। उद्योगों की अनदेखी, प्रशासनिक टालमटोल और वित्तीय बाधाएं बार-बार रुकावट बनीं। कई बार नाले के पानी की जांच में भारी धातुएं और जहरीले तत्व पाए गए, जिससे सफाई की प्रक्रिया और कठिन हो गई।

बीते चार साल में पंजाब सरकार की ओर से कई कमेटियां बनीं। नगर निगम, PPCB, वाटर सप्लाई बोर्ड और प्रशासनिक अफसरों की संयुक्त टीमें बनाई गईं। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता बढ़ाने, औद्योगिक ETP को मॉनिटर करने और सीवरेज ओवरफ्लो रोकने के निर्देश दिए गए। हाल में राज्यसभा सांसद बलबीर सिंह सीचेवाल ने 10 दिसंबर तक नाला साफ करने का दावा किया है और सीचेवाल के साथ मिलकर "बुड्ढा दरिया पुनर्जीवन परियोजना" पर काम तेज किया गया है। आज बुड्ढा नाला केवल सफाई का प्रोजेक्ट नहीं, जिम्मेदारी का आईना बन चुका है, राजनीति से लेकर प्रशासन और समाज सबकी परीक्षा। 10 दिसंबर सिर्फ तारीख नहीं, विश्वास की कसौटी है।

▪ तो फिर जिम्मेदार कौन?

उद्योगों की लापरवाही सबसे बड़ी वजह है। ज्यादातर फैक्ट्रियां अपना गंदा पानी सीधे सीवरों के माध्यम से नाले में छोड़ती हैं। लेकिन सिर्फ़ उद्योग ही दोषी नहीं हैं। डेयरी यूनिट्स और घरों से निकलने वाला कचरा व सीवेज भी बिना उपचार के नाले में जा रहा है। घरेलू सीवेज सिस्टम न तो पूरी तरह विकसित हैं और न ही उपचार की क्षमता रखते हैं।

▪ तीन दशक बीते और नतीजा अब तक सिफर

साल	घटनाएं
• 1996-	*'सतलुज एक्शन प्लान' की शुरुआत; जमालपुर, भट्टियां और बलोके में STP लगाए गए।*
• 2009-	*NEERI टीम ने जीरो-डिस्चार्ज तकनीक लागू करने की संभावना जांची।*
• 2010-	*केंद्रीय पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने बुड्ढा नाले का दौरा किया, उपचार की घोषणा।*
• 2011-	*जयराम रमेश ने प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया, लेकिन परिणाम शून्य रहे; NEERI ने कहा— समस्या की जड़ ठीक किए बिना सुधार असंभव।*
• 2019-	*CPCB ने नमूने लिए, जो NGT मानकों पर खरे नहीं उतरे; MC ने दावा किया-"काम लगभग पूरा।*

बुड्ढा नाला को लेकर सरकार लगातार कर रही काम : विधायक बग्गा

मदन लाल बग्गा, विधायक, आम आदमी पार्टी ने कहा की बुड्ढा नाला को साफ करवाने को लेकर आप

सरकार लगातार काम कर रही है। सरकार की तरफ से कई कमेटियां बनाई गई है जो लगातार अपना काम कर रही है। पंजाब सरकार ने जो वादे किये थे वो पुरे होंगे। आम आदमी पार्टी की सरकार बनते ही बुड्ढा नाला को साफ करने का जिम्मा उठाया था जो अब दिखने लगा है।

अवैध कनेक्शन पर तुरंत कार्रवाई, नाले का काम तेज: विधायक दलजीत

आप विधायक दलजीत सिंह भोला ग्रेवाल विधायक ने कहा कि ये सफाई का मुद्दा नहीं, लुधियाना के भविष्य

की स्वास्थ्य सुरक्षा है। इस परियोजना को तेज़ी से पूरा करने के लिए सीवर नेटवर्क, डेयरियों के अपशिष्ट नियंत्रण, उद्योगों के ETP और STP की क्षमता को बढ़ाने पर पहल दी है। जिन जगहों पर अवैध कनेक्शन और सीवर ओवरफ्लो मिल रहा है, वहाँ तुरंत कार्रवाई की जा रही है।

10 दिसंबर तक बुड्ढा नाला साफ होना मुश्किल: संजय तलवाड़

कांग्रेस के पूर्व विधायक व जिला अध्यक्ष संजय तलवाड़ प्रशासन बुड्ढा नाला की सफाई प्रशासन गंभीरता

से नहीं कर रहा। सफाई का लक्ष्य 10 दिसंबर तक पूरा हो पाएगा। यह सिर्फ़ एक टाइमलाइन का मामला नहीं, बल्कि लाखों लोगों के स्वास्थ्य और भविष्य का सवाल है। स्थानीय नेता और प्रशासन बुड्ढा नाला को साफ करने के लिए सहयोग नहीं कर रहे।

बुड्ढा नाले की सफाई का दावा महज मजाक: रजनीश धीमान

भाजपा जिला अध्यक्ष रजनीश धीमान ने कहा की 10 दिसंबर तक बुड्ढा नाले की सफाई का दावा किसी

मजाक से कम नहीं है। घाट से मुश्किल से आधा किलोमीटर आगे पानी बदबूदार और जहरीला है। ऐसा दावा करना जनता की आंखों में धूल झोंकने जैसा है। हकीकत यह है कि बुड्ढा नाले की सफाई अब विकास परियोजना से ज्यादा भ्रष्टाचार का स्रोत बन चुकी है।

संत सीचेवाल को इंजीनियरों से काम कराना चाहिए, खुद नहीं: रणजीत ढिल्लों

शिरोमणि अकाली दल के पूर्व विधायक व सीनियर नेता रणजीत सिंह ढिल्लों ने कहा की संत सीचेवाल की मंशा को हम सलाम करते हैं। बुड्ढा नाला को साफ करवाने के लिए उन्हें इंजीनियर और प्रशासन को आदेश देने चाहिए नाकि काम अपने हिसाब से करवाना चाहिए। पिछली सरकारों के समय बुड्ढा नाला के लिए 650 करोड़ रुपये आए थे। इन पैसों का इस्तेमाल जालियां लगाकर किया गया। ये एक बड़ा घोटाला है।

विदेश में बैठे पंजाब के नौजवान ही पंजाब का माहौल खराब कर रहे: एसएसपी सुरेंद्र लांबा

बोले, गैंगस्टरवाद को खत्म करना पहली प्राथमिकता, ड्रोन ड्रग स्मगलिंग बहुत बड़ा चैलेंज

तपिन मल्होत्रा | तरनतारन
समर न्यूज

डीजीपी और मुख्यमंत्री के सख्त निर्देश हैं कि गैंग्स्टरों को बख्शना नहीं है। इनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी है। किसी के पास रंगदारी के लिए फोन आए तो वह पुलिस से सीधा संपर्क करें। कई लोग झूठे फोन करते हैं जो गैंगस्टर नहीं है। गैंगस्टरों के खिलाफ स्टेट लेवल पर एजीटीएफ और कई एजेंसियां काम करती हैं। तरनतारन में गैंगस्टर वाद को खत्म करना मेरी पहली प्राथमिकता है। ये कहना है तरनतारन के एसएसपी सुरेंद्र लांबा का। *उन्होंने समर न्यूज चैनल पर के साथ बातचीत की। पेश है इंटरव्यू की बातचीत के मुख्य अंश।*

सुरेंद्र लांबा ने कहा कि सबसे बढ़ा चैलेंज अंतरराष्ट्रीय अपराध है। पंजाब के युवा जो विदेश चले गए हैं वह पंजाब का माहौल खराब कर रहे हैं। उन्होंने इसे अपना बिजनेस बना लिया है। वह यहां के यूथ को पैसे का लालच देकर उनका इस्तेमाल करते हैं। अपने स्वार्थ के साथ वह अपना नेक्सस चलाते हैं। साइबर क्राइम में झूठे फोन करके लोगों से ठगी की जाती है वैसे ही गैंगस्टर बनकर भी लोगों के साथ ठगी की जा रही है। रंगदारी का फोन आने पर लोगों को तुरंत पुलिस को रिपोर्ट करना चाहिए। यूथ गानों और फिल्मों से इन्फ्लुएंस होता है। सरकार ने भी कई गानों को बैन किया है।

220 किलो से ज्यादा हेरोइन बरामद

ड्रोन ड्रग स्मगलिंग बहुत बड़ा चैलेंज है। युद्ध नशा विरुद्ध नशे को खत्म करने के लिए सरकार ने मुहिम चलाई हुई है। इससे पिछले साल के मुकाबले तीन गुना से ज्यादा रिकवरी हुई हैं। तरनतारन में मार्च से लेकर अब तक 1,120 से ज्यादा एफआईआर हुई है। 1,400 आरोपियों को पकड़ा गया है। 220 किलो से ज्यादा हेरोइन, 13 किलो के आसपास ओपीएम, 550 किलो पॉपीहस और 74 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है। पिछले आठ महीनों में ये सब बरामद करना बहुत बड़ा नंबर है। पिछले दो तीन सालों में नशा ड्रोन के जरिए आ रहा है ये नया ट्रेंड एक बहुत बड़ी चुनौती है। सरकार ने एंटी ड्रोन सिस्टम लगाया हुआ है उससे काफी मदद मिल रही है। एएनटीएफ भी इसे मॉनिटर करती है। जो भी पुलिसकर्मी नशा तस्करों के साथ नशा तस्करी में शामिल होगा उसके खिलाफ कार्रवाई भी होगी और नौकरी से भी निकाला जाएगा।

साइबर क्राइम सबसे बड़ी चुनौती

साइबर क्राइम आज सबसे बड़ी चुनौती है। व्हाट्सएप पर अनजान व्यक्ति का फोन नहीं उठाना चाहिए। आजकल हर कोई ऑनलाइन शॉपिंग करता है। फेक साइट बनाकर भी ठगी की जा रही है। ईजी मनी से कोई पैसा डबल नहीं होता। साइबर ठग लोभ, लालच देकर ठगी करते हैं। अगर आप पैसे इनवेस्ट कर रहे हो तो आपको फिजिकल वेरिफिकेशन जरूर करनी चाहिए। लिंक शेयर और ओटीपी शेयर नहीं करना चाहिए। पुलिस अफसरों की फोटो लगाकर भी ठगी की जा रही है। लिंक क्लिक करने पर फोन सारा कॉपी हो जाता है। किसी के साथ अगर ठगी होती है तो उसे तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर फोन करना चाहिए। इसके बाद ठगी की शिकायत साइबर पुलिस थाने में शिकायत करनी चाहिए।

एम इंटर्नशिप योजना पर सवाल

एक साल में 16 हजार युवाओं की भागीदारी, 41% बीच में छोड़ गए

समर न्यूज | नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र में कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा पेश किए गए आंकड़ों ने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम (पीएमआईएस) पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नवंबर 2024 में शुरू की गई इस योजना को एक साल से अधिक हो चुका है, लेकिन युवाओं की कम भागीदारी और बड़ी संख्या में इसे बीच में छोड़ देने की प्रवृत्ति योजना की सफलता पर गहरे सवाल उठा रही है।

सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के माध्यम से प्रशिक्षित करना है। लेकिन अब तक यह योजना युवाओं को आकर्षित करने में विफल नजर आई है। दो चरणों में 1.31 लाख प्रस्ताव जारी किए गए, पर केवल 16,000 उम्मीदवार ही शामिल हुए। पहले चरण में 8,700 और दूसरे में 7,300 उम्मीदवारों ने ऑफर स्वीकार किए।

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि इनमें से 41% इंटर्न — कुल 6,618 युवाओं — ने 12 महीने का कार्यकाल पूरा होने से पहले ही प्रशिक्षण छोड़ दिया। पहले दौर में 4,565 और दूसरे दौर में 2,053 प्रतिभागियों ने योजना छोड़ दी। यह जानकारी केंद्रीय कॉरपोरेट मामलों के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने तृणमूल कांग्रेस की सांसद सयानी घोष और जून मालिया के प्रश्न के लिखित जवाब में दी।

मालूम हो कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इस योजना को 10,831 करोड़ रुपये का भारी बजट आवंटन मिला है, लेकिन 30 सितंबर 2025 तक मात्र 73.72 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए।

मंत्रालय ने युवाओं की कम रुचि और बीच में इंटर्नशिप छोड़ने के पीछे तीन प्रमुख कारण बताए:

1. 5–10 किलोमीटर से अधिक दूरी पर प्रशिक्षण स्थल तक आने-जाने की अनिच्छा
2. 12 महीने की अवधि, जो सामान्य कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों से अधिक लंबी है
3. कार्य भूमिकाओं में रुचि की कमी

सरकार के अनुसार, योजना के पहले चरण (अक्टूबर 2024) में 1.27 लाख अवसर पोस्ट किए गए थे, जिन पर 6.21 लाख आवेदन आए। हालांकि प्रस्तावों की स्वीकृति बेहद कम रही—82,000 ऑफर में से केवल 8,700 स्वीकार किए गए। दूसरे चरण में जनवरी 2025 में 71,000 प्रस्ताव दिए गए, पर 24,600 ऑफर स्वीकार किए गए, जिनमें से केवल 7,300 ने प्रशिक्षण शुरू किया।

कंपनियों की भागीदारी भी कम

17 कंपनियों में केवल 95 युवाओं को ऑफर दिए गए, जिनमें मुथूट फाइनेंस (32), टेक महिंद्रा (20), मणप्पुरम फाइनेंस (14), आईडीएफसी फर्स्ट बैंक (7) और डॉ. रेड्डीज लैब (5) शामिल हैं।

Good DAY

समर न्यूज | लुधियाना

आपके दिन की सुंदर और सार्थक शुरुआत हो! आज एक नया अवसर है, एक नई शुरुआत, अपनी कहानी में बेहतर पेज जोड़ने का मौका। चाहे कल जैसा भी रहा हो, आज आपके हाथ में एक ताज़ा क्षण है—बेहतर सोचने, बेहतर महसूस करने और बेहतर करने का अवसर।

कुछ पल रुकें, मुस्कुराएँ और जीवन की छोटी–छोटी खुशियों के लिए आभार महसूस करें—समय, सेहत, परिवार और वे सपने जो पूरा होने का इंतज़ार कर रहे हैं। सकारात्मक सोच को अपना साथी बनाए रखें, दयालुता को अपनी पहचान और हौसले को अपनी ताक़त। याद रखें, छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकते हैं, अगर उन्हें निरंतरता और आत्मविश्वास के साथ किया जाए।

हर दिन परफेक्ट नहीं होता, पर हर दिन में कुछ अच्छा ज़रूर होता है। जो आपको प्रेरित करे, उसे अपनाएँ; जो आपको थकाए, उसे जाने दें। अपनी रोशनी खुद बनें और चमकते रहें।

डॉ स्वाति खुराना, मेडिसिन और दिल के रोगों के माहिर (कार्डियोलॉजिस्ट)

पेज 3 एंकर स्टोरी

कनाडा से लौटकर सरपंच ने बदल दी रणसीह कलां की तस्वीर

पराली जलाने पर रोक, पर्यावरण, लाइब्रेरी व पार्क से गांव को बनाया मॉडल

तपिन मल्होत्रा | मोगा
समर न्यूज

पंजाब के छोटे गांवों में से एक रणसीह कलां जिला मोगा ने देशभर में अपनी

मिसाल कायम की है। इस गांव को कनाडा से लौटकर सरपंच बने मिंटू ने ऐसा रूप दिया है कि आज यहां विकास का मॉडल देखने के लिए देश के केंद्रीय मंत्री और अधिकारी भी खुद आकर प्रभावित होते हैं।

सरपंच मिंटू ने कहा कि उन्होंने 2010 में कनाडा में रहते हुए अपने गांव के सपने देखे। वहां सोते समय भी उन्हें अपने गांव की गलियों की याद आती रही और यह लगता था कि गांव उन्हें बुला रहा है। 2013 में गांव वालों ने उन्हें पहली बार सरपंच चुना। इसी विश्वास ने उन्हें अपने सपनों को हकीकत में बदलने का हौसला दिया। मिंटू ने गांव का रूप बदलने का काम इस तरह शुरू किया जैसे बहती नदी अपना रास्ता खुद बनाती है। सरपंच मिंटू ने गांव में कई नई मुहिम शुरू की। उन्होंने कहा सरकार प्लास्टिक के बदले शक्कर नहीं देती, लेकिन हमारी ग्राम पंचायत ने कचरा लेकर बदले में गेहूं या चावल देने की आदत शुरू की। उन्होंने 'पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ और पैसे कमाओ' मुहिम शुरू की। किसानों को पराली न जलाने के लिए प्रोत्साहित किया और 500 रुपए प्रति एकड़ देकर बाजरा दिया। परिणामस्वरूप पिछले छह सालों से रणसीह कलां में एक भी खेत में पराली नहीं जलाई गई।

गांव में महाराजा रणजीत सिंह लाइब्रेरी स्थापित की गई, जहां बच्चों को किताबें पढ़ने पर पैसे मिलते हैं। यह दुनिया की पहली ऐसी लाइब्रेरी है, जहां पढ़ाई करने पर इनाम मिलता है। गांव का कूड़ा-प्रबंधन भी स्थापित किया गया, और महिलाओं को कूड़ा लाकर पैसा कमाने और नाम बनाने का मौका दिया गया। गांव में सुंदर पार्क, झूले, पेड़-पौधे और हरियाली से वातावरण को ऐसा बनाया गया कि देश के बड़े अधिकारी और मंत्री भी सीखने के लिए आते हैं। सरपंच मिंटू ने कहा कि यह काम अकेले नहीं किया गया, बल्कि गांव के लोगों ने मिलकर इसे संभव बनाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर नीयत सच्ची हो और लोग सेवा के लिए आगे आएं, तो पंजाब का हर गांव ऐसा बन सकता है। छह सालों से पराली को आग नहीं लगी, और आसपास के गांव भी इससे प्रेरित होकर पराली जलाना बंद कर चुके हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान ने भी गांव का दौरा किया और सरपंच मिंटू के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि रणसीह कलां से सीखना चाहिए क्योंकि यह विकास किसी आदेश से नहीं बल्कि लोगों की मेहनत और एकजुटता से हुआ है।

सरपंच मिंटू ने युवा पीढ़ी और पंजाब की स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज नौजवानों में नशे की समस्या बढ़ रही है, पढ़े-लिखे लोग कम हो रहे हैं, और विदेशों में ब्रेन ड्रेन हो रहा है। उनका कहना है कि पंजाब को मजबूत बनाने के लिए समर्पण, ईमानदारी और मेहनत जरूरी है। मोगा जिले का गांव रणसीह कला आज पंजाब का उदाहरण बन चुका है। यह दिखाता है कि अगर लोगों में विश्वास और नेतृत्व क्षमता हो, तो असंभव कुछ नहीं है। गांव का यह मॉडल आज न केवल पूरे पंजाब बल्कि देशभर के लिए प्रेरणा बन चुका है। यह साबित करता है कि राज नहीं, सेवा ही असली बदलाव लाती है।

ग्रीवेंस मीटिंग में मेयर पोपली का छलका दर्द बोले-20 बार फोन करने पर भी सुनवाई नहीं करते हमारे अफसर

मेयर ने मंत्री कृष्ण लाल पंवार के सामने अफसरों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठा दिए, ग्राउंड पर कोई काम

समर न्यूज | हिसार

शुक्रवार को हुई ग्रीवेंस कमेटी की बैठक उस समय विवादों से भर गई, जब बीजेपी मेयर प्रवीण पोपली ने खुले मंच पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार के सामने अफसरों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठा दिए।

मेयर ने कहा कि शहर में जगह-जगह सीवरेज जाम है, लेकिन अधिकारी 20-20 बार फोन करने पर भी सुनवाई नहीं करते। कई बार जनता के सामने शर्मिंदा होना पड़ता है।

बैठक में यह विवाद तब शुरू हुआ जब शिकायत नंबर 12 पर महाबीर कॉलोनी निवासी राजाराम अपनी समस्या लेकर पहुंचे। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में दो साल से सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या है और लोग नरक जैसे हालात में रहने को मजबूर हैं।

ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में लोगों की समस्या सुनते हुए मंत्री - समर न्यूज

बीमारी फैलने के बावजूद समाधान नहीं मिल रहा। इस पर मेयर प्रवीण पोपली अचानक खड़े हुए और कहा कि अधिकारी केवल बातें करते हैं, ग्राउंड पर कोई काम नहीं होता। टेंडर का हवाला देकर जिम्मेदारी टाल दी जाती है। मेयर ने कहा और पब्लिक हेल्थ विभाग के कुछ अफसरों के नाम भी लिए। मेयर की बात काटते हुए मंत्री कृष्ण लाल पंवार बोले कि टेंडर और हाई परचेज कमेटी की प्रक्रिया में समय लगता है, लेकिन जनता को राहत तुरंत मिलनी चाहिए। एक्सईएन बलकौर ने बताया कि समस्या का समाधान कर दिया गया है पर शिकायतकर्ता ने कहा कि उन्हें केवल आश्वासन मिलता है। इस पर मेयर फिर खड़े हुए और अधिकारियों से पूछा कि क्या यह समस्या दोबारा नहीं होगी। उन्होंने कहा कि आज केवल इसलिए काम किया गया क्योंकि पता था कि ग्रीवेंस बैठक है। मेयर को उम्मीद थी कि मंत्री अफसरों पर सख्त कार्रवाई करेंगे, हालांकि मंत्री ने समाधान की तरफ रुख करते हुए कहा कि टेंडर लगने तक नियमित क्लीनिंग करवाई जाए और पानी जमा न होने दिया जाए।

उन्होंने 15 दिनों तक महाबीर कॉलोनी की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए।

मंत्री ने कहा कि वे स्वयं भी किसी दिन मौके का निरीक्षण करेंगे। मंत्री पंवार ने शिकायतकर्ता को अपना मोबाइल नंबर भी दे दिया और कहा कि जरूरत पड़ने पर सीधे संपर्क करें।

15 शिकायतें सुनीं गई, 11 का हुआ समाधान

बैठक में मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने 15 शिकायतें सुनीं और 11 का मौके पर समाधान कराया।

उन्होंने बताया कि उन्होंने आदमपुर क्षेत्र को गोद लिया हुआ है और विधानसभा सत्र के बाद व्यक्तिगत रूप से आदमपुर जाकर विकास कार्यों का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछली विजिट में उन्होंने सड़क और सीवरेज कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए थे।

बरवाला से संबंधित कब्जे की शिकायत पर मंत्री ने कहा कि सरकार अब शहरी क्षेत्रों में भी 20 साल से काबिज लोगों को मालिकाना हक दे रही है। पहले यह योजना दुकानदारों के लिए थी पर अब 500 गज तक के घरों पर भी यह लागू होगी, बशर्ते वे तालाब, फिरनी या कृषि भूमि पर न हों।

यह मालिकाना हक 2004 के कलेक्टर रेट के आधार पर दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि इससे एसडीएम कोर्ट और अन्य जगहों पर लंबित हजारों केसों का समाधान हो जाएगा। इसी के साथ बैठक समाप्त हुई, लेकिन मेयर के आरोपों ने शहर की प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

10 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे डॉक्टर

सेहत विभाग निपटने को तैयारियों में जुटा

समर न्यूज | चंडीगढ़

हरियाणा चिकित्सा सेवा संघ (एचसीएमएसए) की प्रस्तावित हड़ताल को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों में मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आपात तैयारी शुरू कर दी है।

स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. कुलदीप सिंह ने सभी जिला अस्पतालों को निर्देश जारी किए हैं कि 48 घंटे के भीतर जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रिपोर्ट भेजें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि हड़ताल के दौरान ऑपरेशन और अन्य जरूरी सेवाओं को सुचारू रखने के लिए जरूरत पड़ने पर बाहर से स्पेशलिस्ट डॉक्टर हायर किए जा सकते हैं।

इन डॉक्टरों का पूरा खर्च स्वास्थ्य विभाग वहन करेगा। साथ ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), डेंटल और आयुष विभाग के डॉक्टर नियमित रूप से ओपीडी सेवाएं जारी रखेंगे ताकि मरीजों को न्यूनतम असुविधा हो। उधर, एचसीएमएसए ने घोषणा की है कि वह 8 और 9 दिसंबर को स्वास्थ्य सेवाएं बंद रखेगा। इसके बाद 10 दिसंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी।

संघ का कहना है कि एसएमओ की सीधी भर्ती को लेकर लंबे समय से समाधान नहीं मिल रहा, इसलिए यह कदम उठाना मजबूरी बन गया है। डॉ. कुलदीप सिंह ने भरोसा दिलाया कि हड़ताल के दौरान मरीज सेवाएं प्रभावित नहीं होंगी और विभाग पूरी तत्परता से वैकल्पिक इंतजाम करेगा। उन्होंने सभी अस्पतालों से आपात तैयारियों की 48 घंटे के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

पुलिस चौकी में बदमाशों की गुंडागर्दी, कार के शीशे तोड़े

पीड़ित ने आरोपियों से जान को खतरा बता सुरक्षा की मांग की; उधर आरोपी पुलिस के सामने से फरार

समर न्यूज | अंबाला

अंबाला-दिल्ली हाईवे स्थित मोहड़ा पुलिस चौकी में बदमाशों ने खुलेआम गुंडागर्दी दिखाते हुए एक युवक की नई कार पर तोड़फोड़ कर दी। पीड़ित युवक दिन में ही रंजिश के चलते मारपीट का शिकार हुआ था।

घटना के समय पीड़ित अपनी नई कार लेकर शिकायत दर्ज कराने चौकी पहुंचा था, तभी आरोपी वहां भी पहुंच गए और पुलिस मौजूद होने के बावजूद कार के शीशे और बॉडी पर डंडों से हमला कर फरार हो गए।

फडौली गांव निवासी भजन लाल ने बताया कि वह नई वेन्यू कार एजेंसी से लेकर दुखेड़ी मोड़ की ओर जा रहे थे।

उसी दौरान गांव के सोनू और बब्ला उनकी गाड़ी के आगे आकर रुक गए और गाली-गलौज करने लगे।

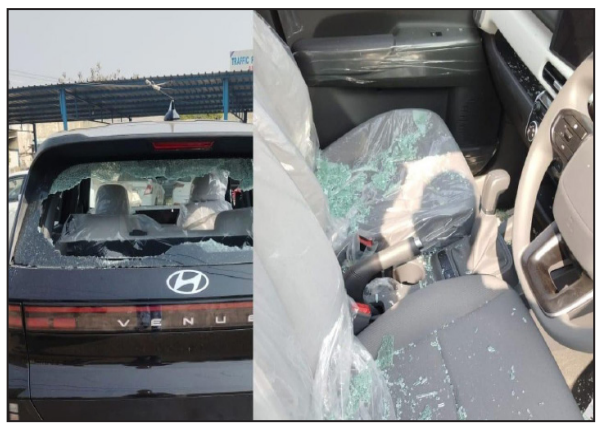

कार के टूटे शीशे - समर न्यूज

धमकी देकर वे भाग निकले। इसके बाद भजन लाल सीधा मोहड़ा चौकी पहुंचकर शिकायत लिखवाने लगे। इसी बीच दोनों आरोपी अपने साथियों के साथ चौकी परिसर में घुस आए और हाथों में डंडे व बिंडे लेकर खड़ी नई कार के शीशे और दरवाजे तोड़ने लगे। आरोपियों को देखकर चौकी में मौजूद लोग सहम गए। बदमाश ललकारते हुए मौके से फरार हो गए, जबकि पुलिस उन्हें पकड़ने में नाकाम रही। घटना के बाद पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं क्योंकि जिस चौकी में कार खड़ी थी, उसी परिसर से ट्रैफिक थाना भी संचालित होता है।

भतीजे से हुए झगड़े के बाद बढ़ी रंजिश

पीड़ित भजन लाल ने बताया कि 4 दिसंबर की सुबह गांव के ही संदीप उर्फ शंटी ने उनके भतीजे की कार रोककर मारपीट की थी। इसी रंजिश के चलते आरोपी पूरे परिवार से दुश्मनी निकाल रहे थे। शाम को वह नई कार लेकर जैसे ही निकले, हमला कर दिया गया।

घटना के बाद पड़ाव थाना पुलिस ने आरोपियों सोनू और बब्ला के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी धर्मबीर ने बताया कि दोनों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है और उन्हें जल्द ही काबू कर लिया जाएगा।

पीड़ित ने आरोपियों से अपनी जान को खतरा बताते हुए सुरक्षा की मांग की है।

पैरा खिलाड़ी हत्या मामला

आरोपी की गिरफ्तारी न होने से खाप में रोष

बरातियों और स्थानीय लोगों के बीच विवाद में हुई थी रोहित की हत्या

समर न्यूज | भिवानी

पैरा पावरलिफ्टिंग के नेशनल खिलाड़ी और जिम ट्रेनर रोहित धनखड़ (27) की हत्या के मामले में मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से परिजन और खाप पंचायत में भारी रोष है।

परिजनों ने खाप प्रतिनिधि आईजी सिमरदीप सिंह से मिलने गए, लेकिन वे कार्यालय में मौजूद नहीं थे। इसके बाद परिजन ने भिवानी एसपी सुमित कुमार से मिलने का निर्णय लिया।

रोहित धनखड़ भिवानी जिले के गांव हुमांयूपुर के निवासी थे।

वे राष्ट्रीय स्तर के पैरा पावरलिफ्टिंग खिलाड़ी होने के साथ-साथ जिम ट्रेनर के रूप में भी काम कर रहे थे। 27 नवंबर को रोहित अपने दोस्त जतिन के परिवार द्वारा आयोजित

रोहित की फाइल फोटो - समर न्यूज

शादी समारोह में भाग लेने रेवाड़ी जिले के बौंद कलां पहुंचे थे। समारोह के दौरान बरातियों और स्थानीय लोगों के बीच विवाद हो गया।

विवाद के बाद जब रोहित और जतिन शादी समारोह से लौट रहे थे, तभी कार सवार युवकों ने उन पर हमला कर दिया।

जतिन मौके से भाग निकला, लेकिन रोहित को गंभीर रूप से पीटा गया। रोहित को तुरंत पीजीआई रोहतक ले जाया गया, लेकिन दो दिन बाद उनकी मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद भिवानी सदर थाना में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

परिजनों की नाराजगी और आगे की कार्रवाई

परिजन और खाप पंचायत का कहना है कि मामले में अभी तक मुख्य और नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसी वजह से वे अब भिवानी एसपी से मिलने और मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग करेंगे। परिजन और खाप का यह भी कहना है कि दोषियों को जल्द से जल्द पकड़कर न्याय दिलाना जरूरी है।

सड़क हादसे में दूल्हे के भाई और भाभी की मौत

समर न्यूज | जींद

जींद-बरवाला मार्ग पर एक भीषण सड़क हादसे में दूल्हे के भाई और भाभी की मौत हो गई। यह हादसा गांव ईंटल कलां के पास हुआ, जब एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। इस घटना में तीन अन्य लोग घायल हो गए, जबकि कार में सवार सात माह की बच्ची सुरक्षित बच गई। मृतकों की पहचान करनाल के मूनक निवासी अजय (35) और पत्नी सोनिया (30) के रूप में हुई है। घायलों में फोटोग्राफर सोनू और उसके दो साथी शामिल हैं, जिन्हें पीजीआई रोहतक रेफर किया गया है। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। अजय, सोनिया, उनकी सात माह की बेटी और सोनू अपने दो अन्य साथियों के साथ हिसार जिला के गांव सुलखनी में एक बारात से वापस घर लौट रहे थे।

मधुबन प्रदूषण मामले में गुरुग्राम से बेहतर

मंत्री राव नरबीर का नया बयानः प्रदूषण से मेरी उम्र 10 साल कम हो गई

समर न्यूज | गुरुग्राम

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह का एक नया बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। एक कार्यक्रम में उन्होंने गुरुग्राम के खराब प्रदूषण स्तर पर चिंता जताई और बिहार के मधुबन को प्रदूषण के मामले में गुरुग्राम से बेहतर बताया। राव ने कहा कि गुरुग्राम रहने योग्य तो है, लेकिन यह देश के सबसे प्रदूषित स्थानों में शामिल है और यहां प्रदूषण के कारण मेरी उम्र दस साल कम हो गई है। कार्यक्रम के दौरान राव नरबीर ने बढ़ते प्रदूषण को लेकर अगली पीढ़ी के भविष्य पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने लोगों से पर्यावरण संरक्षण की अपील करते हुए कहा कि हर व्यक्ति कम से कम दो पेड़ अवश्य लगाए ताकि बढ़ते प्रदूषण पर अंकुश लगाया जा सके।

कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह। - समर न्यूज

पॉलीथिन रोकने में असफलता भी स्वीकार : मंच से संबोधित करते हुए मंत्री ने स्वीकार किया कि प्रदेश में पॉलीथिन प्रदूषण को रोकने में सरकार पूरी तरह सफल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण में 40 प्रतिशत हिस्सा पॉलीथिन का है। मैं पॉलीथिन को न रोक पाया हूं और न रोक पाऊंगा। मॉल से लेकर रेहड़ी तक, हर जगह इसका उपयोग जारी है। उन्होंने माना कि जब तक लोग स्वयं जागरूक नहीं होंगे, तब तक पर्यावरण सुधार की किसी भी सरकारी पहल का पूरा प्रभाव नहीं दिखेगा। इससे पहले भी मंत्री राव नरबीर सिंह का बयान सुर्खियों का हिस्सा बना था, जब उन्होंने मुख्यमंत्री की जाति को लेकर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि नायब सिंह सैनी अच्छा काम कर रहे हैं, लेकिन वह सैनी हैं और आपको जाट मुख्यमंत्री चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि दौलताबाद क्षेत्र में उन्होंने 15 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए, लेकिन चुनाव में 15,000 वोटों में से उन्हें केवल 400 वोट ही मिले। कैबिनेट मंत्री के ताजा बयान पर पूर्व विधायक राकेश दौलताबाद के बेटे मिलन ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राव नरबीर चुनाव में कम वोट मिलने की पीड़ा को भूल नहीं पाए हैं, इसलिए ऐसे बयान देकर समाज को जाति के आधार पर बांटने की कोशिश कर रहे हैं। मिलन ने कहा कि अब मंत्री को सभी समुदायों और सभी गांवों के विकास के लिए समान भावना से काम करना चाहिए, क्योंकि जनता ने उन्हें सभी का प्रतिनिधि बनाया है न कि सिर्फ वोट देने वालों का।

दीपेंद्र हुड्डा ने टोल नीति पर साधा निशाना

समर न्यूज | पंचकूला

हरियाणा में अन्य राज्यों की तुलना में वाहन चालकों से अधिक टोल वसूली होने का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में है। संसद में पेश किए गए सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में टोल वसूली लगातार बढ़ते हुए 2014–15 के 461.88 करोड़ रुपये से 2025–26 में 2,324.95 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। यानी दस वर्षों में इसमें लगभग पांच गुना वृद्धि हुई है। इस अवधि में गुजरात जैसे बड़े राज्य में टोल वसूली में कमी दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक गुजरात में इस वर्ष अक्टूबर तक पिछले साल की तुलना में 1,928.57 करोड़ रुपये कम टोल वसूला गया, जबकि हरियाणा में इसी अवधि में 368.57 करोड़ रुपये अधिक संग्रह हुआ है। यह अंतर राज्य में टोल प्लाजा के घनत्व और वसूली दरों पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

चंडीगढ़ मुद्दे पर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाएः हुड्डा

भूपेंद्र सिंह बोले- सरकार न तो नई विधानसभा के लिए जमीन ले पा रही है और न एसवाईएल का पानी

समर न्यूज | चंडीगढ़

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने मांग उठाई है कि चंडीगढ़ के मुद्दे पर प्रदेश सरकार को जल्द से जल्द विधानसभा का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। क्योंकि चंडीगढ़ और एसवाईएल को लेकर स्पष्ट है कि भाजपा सरकार हरियाणा के हकों की रक्षा करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। यह सरकार न तो नई विधानसभा के लिए जमीन ले पा रही है और न ही एसवाईएल का पानी। सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद भाजपा हरियाणा को उसका हक का पानी नहीं दिला पाई है। चंडीगढ़ को लेकर भी भाजपा की नीति ढुलमुल है। खुद केंद्र सरकार स्पष्ट नहीं कर पा रही कि दोनों राज्यों की साझा राजधानी रहेगी या पूरी तरह केंद्र शासित प्रदेश बन जाएगा। इन तमाम मुद्दों पर विधानसभा के भीतर चर्चा होनी चाहिए। साथ ही बास्केटबाल खिलाड़ियों की मौत पर

भूपेंद्र सिंह हुड्डा जानकारी देते हुए। - समर न्यूज

भी सदन के भीतर सरकार से जवाब मांगा जाएगा। क्योंकि भाजपा सरकार ने हरियाणा के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। स्टेडियमों की जर्जर हालत की वजह से दो होनहार खिलाड़ियों की जान जा चुकी है। कांग्रेस सरकार के समय खेलों के लिए जो विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया था, उसका रख-रखाव तक भाजपा सरकार ने नहीं किया।

हुड्डा यहां पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दिल्ली में होने वाली कांग्रेस की रैली को लेकर तैयारियां जोरो है। पार्टी के तमाम बड़े नेता रैली में पहुंचेंगे और वोट चोरी के मुद्दे पर अपनी बात जनता के सामने रखेंगे। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बीजेपी ने वोटो की गणना में धांधली करके सरकार बनाई है। राहुल गांधी ने इस बात के बाकायदा सबूत पेश किए हैं। इस बात का गवाह पूरा हरियाणा है कि कैसे वोटिंग के बाद हर दिन वोट की प्रतिशत बढ़ती रही। हुड्डा ने कहा कि 5 अक्टूबर 2024 को वोटिंग के बाद चुनाव आयोग ने बताया था कि हरियाणा में कुल 61.19 प्रतिशत मतदान हुआ है। 6 तारीख को इसे बढ़ाकर 65.65 प्रतिशत कर दिया गया और 7 तारीख को फिर से इसमें बदलाव करके वोटिंग प्रतिशत को 65.9% बताया गया। क्या चुनाव आयोग इस बात का जवाब देगा कि लगातार तीन दिनों तक अपने आप वोट कैसे बढ़ रही थीं।

बीजेपी नेताओं द्वारा लगातार आ रहे जाति आधारित बयानों पर हुड्डा ने कहा कि जिस सरकार के पास गिनवाने के लिए कोई उपलब्धि और दिखाने के लिए कोई काम ना हो, वो जात-पात की राजनीति का सहारा लेती है। लेकिन कांग्रेस अपनी विचारधारा पर अडिग है, हम 36 बिरादरी के भाईचारे को साथ लेकर चलेंगे।

आस जगी | पुतिन दौरे से जागी वापसी की उम्मीद, एजेंटों के जाल में फंसकर रुस में फंसे हुए हैं युवक

रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे हैं हरियाणा के दर्जनों युवक

समर न्यूज | चंडीगढ़

हरियाणा के कई परिवारों की आंखों में आज भी चिंता और इंतजार की लकीरें साफ दिखती हैं। प्रदेश के दर्जनों युवक रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच मजबूरी में रूसी सेना का हिस्सा बने बैठे हैं। पढ़ाई और नौकरी के सुनहरे सपनों के साथ विदेश गए ये युवा अब युद्ध की खाइयों में फंसे हुए हैं।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा से परिवारों में उम्मीद जगी है कि शायद अब सरकार इस गंभीर मुद्दे को रूस के शीर्ष नेतृत्व के सामने रखे और उनके बच्चे सुरक्षित घर लौट सकें। परिजनों का आरोप है कि एजेंटों ने युवाओं को पढ़ाई, नौकरी और बेहतर भविष्य का झांसा देकर रूस भेजा, लेकिन वहां स्थानीय नेटवर्क ने उन्हें धोखे से सेना में भर्ती करवा दिया। विदेश मंत्रालय के अनुसार अब तक 44

रुस में फंसे युवक। - समर न्यूज

भारतीय युवक रूसी सेना में शामिल पाए गए हैं, हालांकि हरियाणा के ग्रामीण परिवारों का दावा है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक है।

रोहतक के तैमूरपुर गांव के संदीप की कहानी सबसे दर्दनाक है। सितंबर 2024 में वह चरखी दादरी के एक एजेंट के जरिए रूस पहुंचा था। वादा किया गया था कि वह पढ़ाई के साथ कुक की नौकरी करेगा, लेकिन वहां पहुंचते ही उसे हथियार पकड़ा दिए गए। हाल ही में भेजे गए उसके वीडियो में उसने कहा कि मेरी जान को खतरा है, दिन में एक बार खाना मिलता है। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चला। हिसार के मदनहेड़ी गांव के 28 वर्षीय सोनू की मौत की पुष्टि ड्रोन हमले में हुई। वह रूस में विदेशी भाषा का कोर्स करने गया था, लेकिन जबरन उसे मोर्चे पर तैनात कर दिया गया। कैथल के कर्मचंद और कई अन्य युवकों की मौत की पुष्टि भी इसी तरह हुई। परिवारों का कहना है कि उन्हें कभी यह भरोसा नहीं था कि पढ़ाई के बहाने विदेश गए उनके बच्चे युद्ध में भेज दिए जाएंगे।

अंबाला का मोहम्मद जावेद, फतेहाबाद के अंकित और विजय, हिसार का अमन, इन सभी का परिवार कई दिनों से उनकी एक झलक का इंतजार कर रहा है। आखिरी कॉल्स में कई युवकों ने सिर्फ इतना ही कहा, "मां, मुझे यहां कभी भी कुछ हो सकता है। हरियाणा के दर्जनों परिवार अब प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय से गुहार लगा रहे हैं कि रूस में फंसे युवाओं को सुरक्षित वापस लाया जाए। पुतिन की इस यात्रा से उन्हें उम्मीद है कि शायद अब सरकार उनका दर्द सुन सकेगी और इन युवाओं की घर वापसी का रास्ता खुलेगा।

दादरी की दो मुख्य सड़कों के पुनर्निर्माण को मिली मंजूरी

समर न्यूज | चरखी दादरी

शहर की लंबे समय से जर्जर पड़ी दो प्रमुख सड़कों का जल्द ही कायाकल्प होने जा रहा है। 4.53 करोड़ रुपये की परियोजना को मुख्यालय से प्रशासनिक और तकनीकी मंजूरी मिल चुकी है। अब केवल टेंडर प्रक्रिया शुरू होना बाकी है। नगर परिषद अधिकारियों के अनुसार, अगले 10 दिनों के भीतर दोनों सड़कों के निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया जाएगा। इन सड़कों के बनने से प्रतिदिन लगभग 15 हजार लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। नगर परिषद की योजना के तहत काठमंडी रोड और चरखी दरवाजा रोड का व्यापक पुनर्निर्माण किया जाएगा। दोनों सड़कें लंबे समय से खराब स्थिति में हैं, जिसके चलते स्थानीय लोग लगातार इनके पुनर्निर्माण की मांग कर रहे थे। अब मंजूरी मिलने के बाद परियोजना के कार्यान्वयन का रास्ता साफ हो गया है।

डीजे गाड़ी में लगी आग से जनरेटर जलकर राख

बारात के दौरान हुआ हादसा, डीजे के मालिक को हुआ भारी नुकसान

समर न्यूज | करनाल

जिले के तरावड़ी के वार्ड नंबर 4 स्थित राणा कॉलोनी में शुक्रवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया। शादी समारोह में आई डीजे की गाड़ी अचानक भीषण आग की चपेट में आ गई। देखते ही देखते पूरी गाड़ी आग की लपटों में घिर गई और कुछ ही मिनटों में खाक हो गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने पानी डालकर आग रोकने की कोशिश की, लेकिन आग फैल चुकी थी और काबू में नहीं आ रही थी।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक डीजे गाड़ी में रखा लैपटॉप, जनरेटर, साउंड सिस्टम और अन्य महंगा सामान जलकर राख बन चुका था। आगजनी में डीजे मालिकों को लाखों का भारी

डीजे की गाड़ी में लगी आग। - समर न्यूज

नुकसान हुआ है। दूल्हे यशपाल ने बताया कि उनका अपना डीजे है, लेकिन गाड़ी किराए पर ली गई थी। उन्होंने कहा हमें बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि ऐसा कुछ होगा। कैसे लगी और क्यों लगी इसका अभी कोई कारण सामने नहीं आया है। शादी के दिन ही इतना बड़ा हादसा हो जाएगा, सोचा भी नहीं था।

सुबह लगभग चार बजे तेज धमाकों जैसी आवाज आई तो उन्होंने समझा कि पटाखे फूट रहे होंगे। लेकिन बाहर निकलकर देखा तो डीजे वाली गाड़ी आग की लपटों में घिरी हुई थी। लोग तुरंत आग बुझाने में जुट गए, लेकिन आग इतनी भयानक थी कि गाड़ी के अंदर रखा सारा सामान राख में तब्दील हो चुका था। तरावड़ी थाना के एएसआई जसवंत सिंह ने बताया कि डीजे की गाड़ी में आग लगने की सूचना मिली थी, जिसमें भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा आग किस वजह से लगी, इसकी जांच की जा रही है।

विस में तीखी तकरार, विपक्ष की छवि खराब कर रही बाहरी एजेंसिया: जयराम

सीएम सुक्खू ने हिमकेयर और सोशल मीडिया विवाद पर दी सफाई

राहूल। धर्मशाला
समर न्यूज

धर्मशाला स्थित हिमाचल विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष ने सरकार पर जवाबों में टालमटोल का आरोप लगाते हुए जोरदार हंगामा किया। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि विभागों से मांगी गई जानकारी सदन में उपलब्ध नहीं करवाई जा रही, जबकि वही विवरण आरटीआई के माध्यम से तुरंत मिल जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सोशल मीडिया पर विपक्ष की छवि खराब करने के लिए बाहरी एजेंसियों को काम पर लगा रही है।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विपक्ष के सभी सवालों की जांच कर पूरी जानकारी अगले

सीएम सुक्खू प्रश्नकाल के दौरान। - समर न्यूज

सत्र में सदन के समक्ष रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि "कुछ सोशल मीडिया पेज मेरी छवि धूमिल करने के लिए सरकार से जोड़े जा रहे हैं, जबकि यह बीजेपी की आईटी सेल द्वारा फैलाया गया भ्रामक प्रचार है।"

आपात स्थिति में कार्ड न बनने की समस्या उठाई।

इस पर स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनी राम शांडिल ने जवाब दिया कि मेडिकल कॉलेजों के प्रिंसिपल और एमएस को आवश्यकता पड़ने पर तुरंत कार्ड जारी करने की अनुमति दे दी गई है। विधायक रणधीर शर्मा ने सौ कार्ड बनने की शर्त समाप्त करने की मांग रखी, जिसे मंत्री ने भविष्य में न लागू करने का आश्वासन दिया।

इसी बीच, जगत सिंह नेगी द्वारा दिए गए विशेषाधिकार हनन नोटिस पर भी सदन में माहौल गरमाया। स्पीकर ने बताया कि नोटिस सचिवालय को जांच के लिए भेजा गया है। इस दौरान नेगी और विपिन परमार के बीच हुई तीखी नोकझोंक ने शोरगुल बढ़ा दिया, जिसके चलते सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनके बच्चों के साथ हुए 'राधे-राधे' वाले संवाद को गलत संदर्भ में पेश किया गया है।हिमकेयर योजना को लेकर भी सदन में जोरदार बहस हुई। नाचन के विधायक विनोद कुमार ने

16 दिसंबर को होगा मेगा वॉकथॉन

युवा मिलकर देंगे नशामुक्त जिला बनाने का संदेश

अरविंद। हमीरपुर
समर न्यूज

हमीरपुर में प्रदेश सरकार के चिट्टा विरोधी अभियान को जन आंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से 16 दिसंबर को मेगा वॉकथॉन का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारियाँ तेज कर दी हैं।

पुलिस अधीक्षक बलबीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खु स्वयं इस वॉकथॉन में शामिल होकर युवा शक्ति को नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाएंगे।

उन्होंने सभी युवाओं, विद्यार्थियों तथा स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में भाग लेकर नशे के खिलाफ सामूहिक जागरूकता पैदा करें।

उपायुक्त ने जानकारी दी कि मेगा वॉकथॉन ब्वायज स्कूल मैदान से आरंभ होकर नादौन चौक, गांधी चौक, मुख्य बाजार, अस्पताल

पुलिस अधीक्षक बलबीर सिंह - समर न्यूज

चौक और बस स्टैंड से होते हुए पुनः स्कूल मैदान में लौटेगा।

आयोजन स्थल और वॉकथॉन मार्ग पर सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, पेयजल, चिकित्सा सहायता तथा अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जा रही हैं। उम्मीद है कि स्कूलों के विद्यार्थियों, विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों और आम लोगों सहित हजारों प्रतिभागी इस बड़े आयोजन में शामिल होंगे।

एसपी बलबीर सिंह ने बताया कि शिमला और धर्मशाला के बाद यह राज्य का तीसरा बड़ा वॉकथॉन होगा। प्रतिभागियों की सुविधा के लिए पुलिस विभाग विशेष प्रबंध करेगा। लोगों में जोश और ऊर्जा का संचार करने के लिए पुलिस का प्रसिद्ध ऑर्केस्ट्रा 'हार्मनी ऑफ पाइंस' तथा ब्रास बैंड अपनी प्रस्तुतियां देंगे। उनका कहना है कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल जागरूकता बढ़ाना ही नहीं, बल्कि जिले को पूरी तरह चिट्टा मुक्त बनाने के अभियान में सामूहिक भागीदारी सुनिश्चित करना भी है।

प्रशासन का मानना है कि यदि युवा आगे बढ़कर नशे के खिलाफ अपनी भूमिका निभाएँ, तो समाज को सुरक्षित और स्वस्थ दिशा में ले जाने का प्रयास और भी मजबूत होगा।

वाहनों की व्यवस्था पुख्ता करने के निर्देश

अरविंद। हमीरपुर
समर न्यूज

प्रदेश सरकार के तीन वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 11 दिसंबर को मंडी में आयोजित होने वाले जन संकल्प सम्मेलन के लिए जिला हमीरपुर से जाने वाले लाभार्थियों और अन्य प्रतिभागियों की यात्रा को सुचारू बनाने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

इस संबंध में उपायुक्त अमरजीत सिंह ने हमीर भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें सभी एसडीएम और संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

जिले के विभिन्न उपमंडलों से बड़ी संख्या में लोग छोटे व बड़े वाहनों के माध्यम से मंडी पहुंचेंगे। इनमें सरकारी योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थी भी शामिल होंगे, जिनकी संख्या पर्याप्त होने की संभावना है।

एसडीएम और संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक - समर न्यूज

सात दशक बाद भी सड़क से महरूम कांगेला

बीमार मरीजों को आज भी पालकी से ले जाना मजबूरी

मंजूर पठान | चंबा
समर न्यूज

चुराह विधानसभा क्षेत्र का कांगेला गांव आज भी मूलभूत सड़क सुविधा से वंचित है। आज़ादी के 75 वर्ष बाद भी इस गांव तक सड़क न पहुंच पाना एक ऐसे तंत्र की पोल खोल देता है, जिसकी लापरवाही का खामियाजा यहां की जनता दशकों से भुगत रही है। 500 से अधिक आबादी वाला यह गांव कठिन परिस्थितियों में जीवन गुजारने को मजबूर है। बीमार व्यक्तियों और गर्भवती महिलाओं तक को पांच से छह किलोमीटर दूर सड़क तक पालकी के सहारे ले जाना पड़ता है। कई बार गंभीर मरीज समय पर अस्पताल न पहुंच पाने के कारण जान भी गंवा देते हैं, लेकिन सरकारों और जनप्रतिनिधियों का ध्यान अब तक इस ओर नहीं गया।

सड़कों से महरूम कांगेला गांव - समर न्यूज

स्थानीय लोगों का कहना है कि चुनाव के दौरान नेता बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन चुनाव जीतते ही उन्हें गांव की समस्याएं याद नहीं रहतीं। गांववासियों को रोजमर्रा की जरूरतों का सामान भी खच्चरों के सहारे मंगवाना पड़ता है, जिसके लिए 300 से 500 रुपये तक प्रति यात्रा देना पड़ता है। यह स्थिति न केवल आर्थिक बोझ बढ़ा रही है, बल्कि लोगों के जीवन को बेहद कठिन बना रही है।गांव के निवासियों ने सरकार से एक बार फिर गुहार लगाई है कि कांगेला को सड़क सुविधा से जल्द जोड़ा जाए। उनका कहना है कि कई वर्षों से मांग उठाई जा रही है, लेकिन हर बार आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिलता। बिना सड़क के यहां तक विकास की कोई भी योजना प्रभावी तरीके से लागू नहीं हो पाती।स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि सड़क सुविधा मिल जाए तो आपात स्थितियों में मरीजों की जान बचाई जा सकेगी।

चमियाना के चार असिस्टेंट प्रोफेसरों की सेवाए समाप्त

समर न्यूज | शिमला

चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग ने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, चमियाना में कार्यरत चार असिस्टेंट प्रोफेसरों की सेवाए तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं। विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, इन चिकित्सकों को अब भविष्य में पुनर्नियुक्ति का दावा करने का कोई अधिकार नहीं रहेगा। यह कठोर कदम इसलिए उठाया गया क्योंकि संबंधित डॉक्टरों ने राज्य सरकार की अनुमति के बिना अपने पदों को छोड़ दिया और विभाग द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस का संतोषजनक उत्तर भी प्रस्तुत नहीं किया। विभाग ने यह कार्रवाई केंद्रीय सिविल सेवा (सीसीए) नियम 1965 के नियम 19 के अंतर्गत की है, जिसके तहत बिना अनुमति लंबे समय तक अनुपस्थित रहने को गंभीर कदाचार माना जाता है। स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि जिन डॉक्टरों की सेवाए समाप्त की गई हैं, उनमें डॉ. कुनाल महाजन (असिस्टेंट प्रोफेसर—कार्डियोलॉजी), डॉ. नवीन कुमार (असिस्टेंट प्रोफेसर—पीडियाट्रिक्स), डॉ. तुषार पाटिल (असिस्टेंट प्रोफेसर—प्लास्टिक सर्जरी) और डॉ. विकास कुमार (असिस्टेंट प्रोफेसर—सीटीवीएस) शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, इन चारों विशेषज्ञ डॉक्टरों ने नियुक्ति मिलने के बाद कुछ समय के लिए सेवाएँ दीं, लेकिन बाद में बिना किसी पूर्व अनुमति के अस्पताल से अनुपस्थित रहे। उनकी अनुपस्थिति न केवल मरीजों की सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही थी, बल्कि अस्पताल में चल रही एमबीबीएस और पीजी कक्षाओं की नियमित शैक्षणिक गतिविधियाँ भी प्रभावित हो रही थीं।

लोकसभा में छलका पौंग डैम पीड़ितों का दर्द

अनुराग सिंह ठाकुर बोले-मैं देवभूमि हिमाचल से आता हूं

समर न्यूज |नई दिल्ली

पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने आज लोकसभा में आज शून्य काल में लोक महत्व के मुद्दे पर हिमाचल के जिला कांगड़ा के पौंग डैम/ महाराणा प्रताप सागर के विस्थापितों का विषय उठाया व पौंग डैम विस्थापितों के शीघ्र पुनर्वास हेतु जलशक्ति मंत्रालय व गृह मंत्रालय के नेतृत्व में एक इंटर-मिनिस्ट्रियल व राजस्थान एवं हिमाचल प्रदेश सरकारों के बीच समिति के गठन की मांग की है।

सदन में अनुराग सिंह ठाकुर के वक्तव को कांगड़ा सांसद राजीव भारद्वाज जी का समर्थन मिला। अनुराग सिंह ठाकुर ने ब्यास नदी पर पोंग डैम के बनने से विस्थापित हुए परिवारों की लंबे समय से चली आ रही शिकायत उठाई। यह बताते

सांसद अनुराग सिंह ठाकुर - समर न्यूज

हुए कि विस्थापन पचास साल से भी ज़्यादा पुराना है और पुनर्वास का असली वादा भी काफी हद तक पूरा नहीं हुआ है, अनुराग सिंह ठाकुर ने केंद्र सरकार से दखल देने और राहत और पुनर्वास के उपायों को तेज़ी से लागू करने की अपील की।

सदन में पेश किए गए मुख्य तथ्य और सुझाव आधिकारिक तथ्यों और हाल के निरीक्षण के नतीजों पर आधारित हैं। संसद में पौंग डैम के विस्थापितों की पीड़ा उठाते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा "मैं देवभूमि हिमाचल से आता हूं, और पहाड़ के लोगों ने अपना पानी, जवानी और कुर्बानी देश के नाम करने में कभी कमी नहीं छोड़ी है। आज से 50 साल पहले तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा हिमाचल के कांगड़ा में पौंग डैम बनाने के लिए 339 गांवों के 20,772 परिवारों के विस्थापितों को राजस्थान में ज़मीन के आवंटन का वायदा अभी भी अधूरा है। आख़िर इन परिवारों का क्या कसूर है?

अनुराग सिंह ठाकुर ने सदन को याद दिलाया कि हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा ज़िले के 339 गांवों के लगभग 20,772 परिवार पोंग डैम प्रोजेक्ट के बाद बेघर हो गए थे और उन्हें 1970 के मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग और राजस्थान कॉलोनाइज़ेशन रूल्स, 1972 के तहत राजस्थान के इरिगेटेड कमांड एरिया में रिहैबिलिटेशन का वादा किया गया था।

प्रतियोगी परीक्षाओं में कैसे करें तैयारी वर्कशॉप में समझाया

प्रतियोगी परीक्षाओं पर वर्कशॉप - समर न्यूज

सुभाष। बिलासपुर
समर न्यूज

बिलासपुर कॉलेज में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार शामिल हुए। कॉलेज प्राचार्य डॉ. पी.एस. कटवाल ने कॉलेज प्रशासन की ओर से मुख्य अतिथि को शॉल और टोपी पहनाकर सम्मानित किया। डीसी राहुल कुमार ने छात्र–छात्राओं को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफलता पाने के लिए आवश्यक तैयारी, अनुशासन और निरंतरता पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जीवन में कोई भी लक्ष्य हासिल करने के लिए मेहनत के साथ-साथ समय का सही उपयोग अत्यंत आवश्यक है। यदि विद्यार्थी अपनी ऊर्जा और क्षमता को सही दिशा में लगाएं।

लोग इलाज के लिए तरस रहे और सरकार विपक्ष के खिलाफ प्रचार पर करोड़ों उड़ा रही : जयराम ठाकुर

समर न्यूज | धर्मशाला

जयराम ठाकुर ने कहा कि सरकार विधानसभा में सवालों के जवाब के नाम पर सदन को गुमराह करती है। प्रदेश के हितों से जुड़े मुद्दे हो या विधायकों के अपने विधानसभा क्षेत्र के विकास से संबंधित कार्य सरकार ज्यादातर मामलों में सूचनाओं को घूम फिराकर प्रदान करती है या फिर सूचना एकत्र करने के नाम पर झूठ बोलती है। सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचनाओं में अभी तक नहीं होता। सरकार द्वारा सदन में उपलब्ध कराई गई सूचना की विश्वसनीयता पर ही सबसे बड़ा सवाल खड़ा हो गयाहै। आज सरकार आंकड़े कुछ देती है, अगले दिन आंकड़े कुछ देती है। दर्जनों बार मुख्यमंत्री सदन में झूठ बोलते हुए बेनकाब हो चुके हैं। इसके बाद भी सुधरने का नाम नहीं ले रही है। जो सूचनाएं सरकार द्वारा यह संबंधित विभाग द्वारा सूचना के

जयराम ठाकुर बातचीत करते हुए। - समर न्यूज

अधिकार के तहत उपलब्ध करवाई जा चुकी हो वही सूचना सरकार सदन के माध्यम से कतरा रही है। जयराम ठाकुर ने कहा कि एक तरफ प्रदेश को लोग इलाज के लिए तरस रहे हैं। सरकार इलाज के लिए कंगन और मंगलसूत्रबिक रही है। 50 हजार के इंजेक्शन के लिए किसी बेटी के सर से पिता का साया उठ रहा है लेकिन सरकार विपक्ष के नेताओं के खिलाफ दुष्प्रचार के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। प्रदेश का इससे बड़ा दुर्भाग्य कुछ नहीं हो सकता। व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर आई सरकार ने व्यवस्थाओं का पतन करके रखा है। यह पूरा सत्र सरकार की अव्यवस्था, नाकामी और कुछ मंत्रियों के बड़बोलेपन की भेंट चढ़ गया। नेता प्रतिपक्ष ने विधानसभा अध्यक्ष के आसन, विधान सभा सचिवालय और इस पत्र के आयोजन में अपना योगदान देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

सतलुज की सिल्ट समस्या पर सोनार तकनीक से होगा सर्वे

समर न्यूज | शिमला

सुन्नी क्षेत्र में हाल के वर्षों में सतलुज नदी के जलस्तर में तेजी से हो रही वृद्धि और सिल्ट जमा होने की चुनौती को देखते हुए उपायुक्त अनुपम कश्यप ने गुरुवार को सुन्नी में विस्तृत बैठक की। उपायुक्त ने बताया कि कोलडैम प्रबंधन द्वारा इस क्षेत्र में सिल्ट की वास्तविक स्थिति जानने के लिए उन्नत सोनार तकनीक से सर्वेक्षण करवाया जा रहा है। यह सर्वेक्षण कार्य 15 दिसंबर 2025 से शुरू होगा और अगले 15 से 20 दिनों के भीतर पूरा होने की संभावना है। इसके बाद प्रबंधन द्वारा विस्तृत रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंपी जाएगी, जिसके आधार पर सुन्नी क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक सुरक्षा और प्रबंधन रणनीति तैयार की जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि बढ़ते जलस्तर से स्थानीय लोगों की जमीनें और आवासीय क्षेत्र खतरे में आ रहे हैं। इस वर्ष आईटीआई परिसर, विश्राम गृह सुन्नी, गोसदन और आसपास के कई रिहायशी क्षेत्रों में जलभराव और गाद की समस्या गंभीर रूप से सामने आई थी। उपायुक्त ने इन सभी स्थानों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता लोगों की जान और संपत्ति की सुरक्षा है। थली पुल की क्षति का हवाला देते हुए उपायुक्त ने बताया कि इसके मरम्मत के लिए 10 करोड़ रुपये स्वीकृत हो चुके हैं। इस महीने कार्य शुरू होकर आगामी मानसून से पहले पूरा कर लिया जाएगा। मरम्मत के दौरान मौजूदा पुल से तीन मीटर ऊंचाई पर सस्पेंशन तकनीक से नया पुल भी तैयार किया जाएगा, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में आवागमन प्रभावित न हो। पुल की क्षति के कारण मंडी–शिमला मार्ग बाधित है, जिससे लोगों को भारी असुविधा झेलनी पड़ रही है।

हमीरपुर सहकार विकास संघ का चुनाव संपन्न

अरविंद। हमीरपुर
समर न्यूज

हमीरपुर में शुक्रवार को जिले के सहकार विकास संघ का चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें सभी निदेशकों की सर्वसम्मति से यशवीर पटियाल को जिला सहकार विकास संघ का नया अध्यक्ष और सुशील सिंह ठाकुर को उपाध्यक्ष चुना गया। चुनाव परिणाम घोषित होते ही कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों, मिठाई और फूलमालाओं के साथ दोनों नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया।

चुनाव अधिकारी राजेश कौशल ने बताया कि अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए निर्धारित चुनाव प्रक्रिया के दौरान निदेशक मंडल के सभी सात सदस्य मौजूद रहे। चर्चा और सहमति के बाद दोनों पदों पर सर्वसम्मति से चयन किया गया, जिसके लिए औपचारिक घोषणा की गई। उन्होंने बताया कि निर्विरोध चुनाव से संघ में सकारात्मक कार्य वातावरण मजबूत होगा।

नवनियुक्त अध्यक्ष यशवीर पटियाल ने सभी निदेशकों का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि सहकार विकास संघ लंबे समय से विकास की दिशा में अपेक्षित प्रगति नहीं कर सका है। उन्होंने कहा कि संघ को पारदर्शिता और दक्षता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। साथ ही, उन सहकारी समितियों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जहां अनियमितताओं या भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आती रही हैं। पटियाल ने स्पष्ट किया कि विकास संघ को मजबूत और जनहितैषी बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।उन्होंने यह भी बताया कि हमीरपुर के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा संघ के लिए पाँच लाख रुपये की राशि घोषित की गई थी, जिसमें से तीन लाख रुपये संघ के खाते में जमा हो चुके हैं। इस अवसर पर पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष देशराज शर्मा, जिला भाजपा मीडिया प्रभारी विक्रम बन्याल सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बर्फबारी से पहले चुराह के दुर्गम इलाकों में तीन महीने का राशन पहुंचाने के निर्देश

मंजूर पठान |चंबा
समर न्यूज

सर्दियों के आगमन के साथ चंबा जिला प्रशासन ने ऊपरी पहाड़ी क्षेत्रों में राशन उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए तैयारी तेज कर दी है। चुराह विधानसभा क्षेत्र के कई स्थान हर वर्ष भारी बर्फबारी से प्रभावित होते हैं, जिसके कारण जनजीवन ठप पड़ जाता है और आपूर्ति व्यवस्था भी बाधित होती है। ऐसे हालात को देखते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग को बर्फबारी शुरू होने से पहले ही तीन महीने का राशन अग्रिम रूप से भेजने के निर्देश जारी किए गए हैं।

चुराह उपमंडल के कई गांव और पंचायतें हर सर्दी में लंबे समय तक सड़क संपर्क से कट जाती

चुराह के दुर्गम क्षेत्र में बसे लोग। - समर न्यूज

हैं। प्रशासन का मानना है कि ऐसे समय में यदि खाद्य सामग्री पहले से उपलब्ध न हो तो स्थानीय लोगों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सभी डिपुओं में आवश्यक खाद्यान्न की आपूर्ति समय रहते पूरी कर ली जाए।चुराह के एसडीएम राजेश कुमार जरियाल ने बताया कि उपमंडल के दुर्गम इलाकों में हर वर्ष सबसे ज्यादा बर्फबारी दर्ज की जाती है। ऐसी परिस्थितियों में राहत और खाद्य सामग्री पहुंचाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि विभाग को पहले ही तीन महीनों का स्टॉक भेजने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं, बर्फबारी शुरू होने के बाद किसी को भी जरूरी वस्तुओं की कमी का सामना न करना पड़े।

हाईकोर्ट का आदेश

क्रिप्टो धोखाधड़ी मामले में आरोपी की जमानत नामंजूर

शास्त्री भर्ती प्रक्रिया जल्द पूरी करने का दिया निर्देश

समर न्यूज | शिमला

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में शिक्षा विभाग द्वारा शास्त्री के 193 पदों को बैचवाइज आधार पर भरने से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान विभाग ने अदालत के समक्ष हलफनामा दायर करते हुए बताया कि पदों को भरने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस पर न्यायमूर्ति संदीप शर्मा ने विभाग को निर्देश दिया कि चयन प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न करते हुए इसे शीघ्र पूरा किया जाए।

याचिकाकर्ताओं ने अदालत से मुख्य रूप से आग्रह किया था कि वर्ष 2013 से 2015 की बैच वाइज सूची को आधार बनाकर शास्त्री पदों को भरा जाए तथा ऐसे आवेदकों पर भी विचार हो, जिन्होंने अपनी

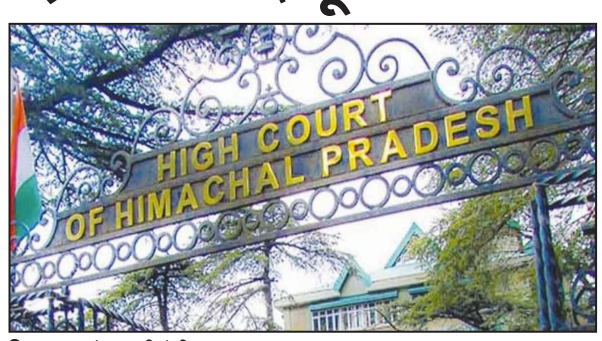

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट। - समर न्यूज

शैक्षणिक योग्यता बाद में सुधार करवाई है। अतिरिक्त महाधिवक्ता ने बताया कि वर्ष 2016 में ट्रिब्यूनल के एक निर्णय के आधार पर यह स्पष्ट किया गया था कि योग्यता सुधारने वाले उम्मीदवारों की डिग्री को सुधार के वर्ष के बजाय उनके प्रारंभिक उत्तीर्ण वर्ष के आधार पर मान्य किया जाएगा। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि विनोद कुमार शर्मा मामले में पारित निर्णय अंतिम रूप पा चुका है। ऐसे में विभाग द्वारा योग्यता सुधार करवाने वाले अभ्यर्थियों को प्रक्रिया में सम्मिलित करना नियमों के अनुरूप है और इसमें किसी प्रकार की अवैधता नहीं पाई गई। उधर, क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी से जुड़े एक अन्य प्रकरण में हाईकोर्ट ने आरोपी विजय कुमार जुनेजा की जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति सुशील कुकरेजा की अदालत ने टिप्पणी की कि मामला गंभीर आर्थिक अपराध से जुड़ा है, जिसका प्रभाव व्यापक रूप से देश की अर्थव्यवस्था और आम लोगों के वित्तीय हितों पर पड़ता है। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि आर्थिक अपराधों को समाज के लिए गंभीर खतरा माना जाता है, इसलिए केवल लंबे समय से जेल में रहने को जमानत का आधार नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि मामले का मुख्य आरोपी सुभाष शर्मा पहले ही विदेश भाग चुका है, जिससे यह आशंका बढ़ जाती है कि जमानत मिलने पर याचिकाकर्ता भी न्याय प्रक्रिया से बच सकता है।

गांव को निगम में शामिल करने से बढ़ेंगे जमीनों के रेट, लोगों को होगा फायदा

नगर निगम में शामिल होने से गांव की बदल जाएगी तस्वीरः विधायक कुलवंत सिंह

शालू मिरोक | मोहाली
समर न्यूज

एक बड़े फैसले के अनुसार पंजाब सरकार ने नया नोटिफिकेशन जारी कर मोहाली नगर निगम की हदबंदी बढ़ाने का ऐलान किया है। नए आदेशों के मुताबिक, 14 गांव को आधिकारिक तौर पर मोहाली नगर निगम में शामिल किया गया है। नगर निगम में शामिल किए गए नए गांव में बैरियली संभल की बालू माजरा लखनऊ चिड़िया कला चपड़ चढ़ी खुर्द नानू माजरा बलौंगी लंद्र मौली बेदवान कांबली रोड का चिल्ला ग्रीन एनक्लेव कल 14 गांव शामिल है। नोटिफिकेशन के अनुसार नई हदबंदी में सेक्टर-66 अल्फा सेक्टर-66 बीटा एयरोसिटी आईटी सिटी सेक्टर-80, 81, 82, 83, 85, 86, 88, 89, 90, 90, 91, 94, 93 लांड्रा गोल्फ कोर्स स्पोर्ट्स और रिक्रेशन 92 के साथ-साथ चलते हुए सेक्टर- 116 शामिल किए गए हैं। इस कार्यवाही के दौरान कमिश्नर नगर निगम मोहाली, मुख्य प्रशासक गामडा और डिप्टी कमिश्नर मोहाली की ओर से भेजी गई रिपोर्ट को विचारते हुए नगर निगम मोहाली की नई शेड्यूल आफ बाउंड्री के अनुसार म्युनिसिपल हाथों में बढ़ोतरी की गई है। हालांकि इस नोटिफिकेशन से संबंधित लोगों के सुझाव भी मांगे गए थे कई लोगों ने इस नोटिफिकेशन पर एतराज जताया जबकि कई लोगों ने इसका समर्थन किया। **•जमीनों के बढ़ेंगे दाम...** मोहाली नगर निगम की हदबंदी पढ़ने से गांव में लोगों को काफी फायदा होगा। इससे गांव के लोगों की तरक्की के लिए रास्ते खुलेंगे। ट्राईसिटी में होने के कारण मोहाली में जमीनों के रेट पहले से ही बहुत हैं परंतु नगर निगम में आने के बाद गांव की जमीनों में रेट और भी बढ़ सकते हैं। इसी के साथ-साथ निवेश को बिल्डरों और कारोबारी के दिलचस्पी बढ़ाने के कारण प्रॉपर्टी मार्केट में उभर आएगा जो स्थानीय लोगों के लिए आर्थिक फायदे का स्रोत बन सकता है

हदबंदी से लोगों को फायदा होगा। मोहाली के विकास के लिए यह जरूरी फैसला था हालांकि उन्होंने कहा कि उनकी ओर से मोहाली के जो जगह निगम के अधीन करने के लिए हमने कहा था। सरकार ने उसके साथ मोहाली के कई गांवों को भी निगम के अधीन किया है। साथ मेयर ने बताया सरकार के फैसले से कई लोगों में खुशी की लहरें तो कई लोग निराश भी हैं।

मेयर, अमरजीत सिंह जीती सिद्धू

हमारी सरकार लोगों के हित में काम करने वाली सरकार है। यह लोगों के हित में ही फैसला लिया गया है। नगर निगम में शामिल होने से कई गांव की तस्वीर बदल जाएगी क्योंकि नगर निगम में काफी पैसा होता है जिससे गांव का विकास किया जा सकता है सरपंचों की नाराजगी पर भी विधायक ने कहा की सरपंच भी हमारी ही पार्टी के हैं उनमें थोड़ी निराशा जरूर है परंतु हम उन्हें समझा लेंगे कि यह फैसला लोगों की बेहतरीन के लिए है।

विधायक, कुलवंत सिंह

ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशनः चार दिन में 28 आरोपियों को काबू किया

समर न्यूज | चंडीगढ़

पंचकूला, ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन के तहत अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए बीते चार दिनों में जिले के 101 चिन्हित हॉटस्पॉट्स में कोबिंग की। इस दौरान क्राइम ब्रांच सभी थाना व चौकी स्तर की टीमें एकजुट होकर मैदान में उतरीं और जिले के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के इरादे से कार्रवाई की। पुलिस की इस संयुक्त कार्रवाई का असर साफ दिखाई दिया। ऑपरेशन के दौरान चोरी, शराब तस्करी, जुआ अधिनियम और अन्य गंभीर अपराधों में संलिप्त तत्वों के खिलाफ 12 मामले दर्ज कर 28 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में 9 कुख्यात फरार अपराधी भी शामिल हैं, जिन पर हिंसक प्रवृति के मामले दर्ज थे और जो लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बचते फिर रहे थे।

पुलिस ने उनमें से एक आरोपी के पासपोर्ट को रद्द कराने का प्रस्ताव भी संबंधित विभाग को भेज दिया है, ताकि वह विदेश जाकर कानून से बच न सके। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों से 1 देशी कट्टा, 1 जिंदा कारतूस, 6 संदिग्ध मोटरसाइकिलें, सट्टा समेत अन्य मामलो में 1 लाख 18 हजार रुपये नकद, 1 टैंकर व 80 पव्वे अवैध शराब बरामद कीं। इसके अतिरिक्त पुलिस टीमों ने क्षेत्र के दो गन हाउसों की औचक जांच कर लाइसेंस, सुरक्षा मानकों और रिकॉर्ड की गहराई से पड़ताल की।

हार्ट अटैक देश की सबसे घातक स्वास्थ्य चुनौती है : डॉ बाली

बोले, दौरे के इलाज में देरी से हृदय की मांसपेशियों को होता है नुकसान

मुकुल शर्मा | पंचकूला
समर न्यूज

हार्ट फाउंडेशन ने लिवासा अस्पताल के सहयोग से मोहाली में एक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका उद्देश्य भारत में तेजी से बढ़ रही लाइफस्टाइल बीमारियों और उपलब्ध आधुनिक उपचार विकल्पों पर प्रकाश डालना था। इस कार्यक्रम में मोहाली और आसपास के क्षेत्रों की विभिन्न रेजिडन्ट वेल्फेयर एसोसिएशन के लगभग सत्तर प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए लिवासा अस्पताल के चेयरमैन कार्डियक साइंसेज एवं डीन एकेडमिक्स एंड रिसर्च, डॉ. एच के बाली ने जीवनशैली से जुड़े रोगों के बढ़ते संकट पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि अस्वास्थ्यकर भोजन, शारीरिक निष्क्रियता और बढ़ता तनाव हृदय रोगों के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा रोकथाम ही सबसे बेहतर उपचार है और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में कभी देर नहीं होती।

डॉ. बाली ने बताया कि भारत में दिल का दौरा मृत्यु का सबसे बड़ा कारण बना हुआ है। यदि 90 मिनट के भीतर प्राइमेरी, प्राथमिक एंजियोप्लास्टी की जाए तो परिणाम सर्वश्रेष्ठ होते हैं और कई मामलों में हार्ट अटैक को पूरी तरह रोका जा सकता है। इसके लिए उन्होंने दिल के दौरे के लक्षणों की व्यापक जागरूकता और सभी अस्पतालों में 24×7 हार्ट अटैक टीम की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने चेताया कि हर बीतता हुआ मिनट दिल की मांसपेशियों को अपूरणीय नुकसान पहुंचाता है। कार्डियक उपचार में आधुनिक प्रगतियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इमेज-गाइडेड एंजियोप्लास्टी और इम्पेला माइक्रो-पंप जैसे उपकरण अब उच्च-जोखिम वाली प्रक्रियाओं को भी काफी सुरक्षित बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि अस्सी नब्बे वर्ष तक के बुजुर्ग मरीज भी कई सह-रोगों के बावजूद, सफलतापूर्वक एंजियोप्लास्टी करवा सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि महिलाओं में हृदय रोग तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए नियमित स्वास्थ्य जांच अनिवार्य हो गई है।

उन्होंने टीएवीआर जैसी नॉन-सर्जिकल वॉल्व रिप्लेसमेंट तकनीकों और माइट्रल वॉल्व रिपेयर हेतु क्लिप उपचार पर भी प्रकाश डाला। वहीं, अत्यधिक धीमी हार्ट रेट वाले मरीजों में लीडलेस पेसमेकर अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रहे हैं। डॉ. बाली ने सभी को 35 वर्ष की आयु के बाद और उच्च-जोखिम समूहों में इससे पहले कार्डियक जोखिम मूल्यांकन कराने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान डॉ. बाली ने मोहाली आरडब्ल्यूए सदस्यों के लिए एक विशेष निशुल्क लिवासा कार्ड भी लॉन्च किया, जिसके तहत मुफ्त हृदय जांच और लैब जांच व नॉन-इनवेसिव टेस्ट पर विशेष छूट प्रदान की जाएगी। सत्र का समापन एक जीवंत इंटरैक्टिव चर्चा से हुआ, जिसमें डॉ. बाली ने हृदय रोग की रोकथाम और उपचार से जुड़े अनेक सवालों के उत्तर दिए

जगतपुरा में नील वर्ष फाउंडेशन ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

परदीप सिंह हैप्पी | मोहाली
समर न्यूज

नील वर्ष फाउंडेशन ने ठंड में जरूरतमंद परिवारों, बच्चों और व्यक्तियों की सहायता के उद्देश्य कंबल बांटे। ड्राइव का आयोजन शहीद उधम सिंह कॉलोनी, चीमा बॉयलर्स के पास, मोहाली में किया गया, जहां स्वयंसेवकों और समर्थकों ने मिलकर जरूरतमंद लोगों को कंबल और शॉल वितरित किए। इस ड्राइव में कुल 100 कंबल दान किए गए, जिनमें हर एक कंबल आशा, देखभाल और मानवता का प्रतीक था। नील वर्ष की फाउंडर एडवोकेट चांदनी सूरी ने कहा कि यह पहल हमारे दिल के बहुत करीब है। जिन लोगों के पास गर्म कपड़े नहीं, उनके लिए सर्दियां बेहद कठिन होती हैं। इस ड्राइव के माध्यम से हमारा उद्देश्य है कि कोई भी व्यक्ति ठंड से कांपते हुए रात न गुजारे। हर कंबल प्यार, दया और इंसानियत के साथ दिया गया है।

डायरेक्टर गीता सूरी ने कहा कि लोगों के चेहरों पर मिली राहत और खुशी हमारे लिए बहुत प्रेरणादायक रही। छोटी-छोटी दयालुता की पहले किसी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती हैं। हम इस अभियान को पूरे सर्दी के मौसम में जारी रखेंगे और अधिक से अधिक परिवारों की सहायता करेंगे। इस ड्राइव में स्वयंसेवकों, परिवारों और शुभचिंतकों ने दिल से भाग लिया और सुनिश्चित किया कि हर जरूरतमंद व्यक्ति तक सम्मान, देखभाल और गर्माहट पहुँचे। यह पहल दया, सामाजिक सेवा और देने की भावना का सुंदर संगम बनी।

ट्रैक्टर पर तेज म्यूजिक बजाने वाले का 32 हजार का चालान व ट्रैक्टर इंपाउंड

मुकुल शर्मा | पंचकूला
समर न्यूज

पंचकूला, ट्रैफिक पुलिस ने कालका मुख्य मॉर्केट में सड़क पर म्यूजिक बजाकर और हुड़दंग मचाते हुए ट्रैक्टर चला रहे युवकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि ट्रैक्टर पर सवार युवक तेज आवाज में म्यूजिक बजाते हुए सड़क पर हुड़दंगबाजी कर रहे थे। सूरजपुर ट्रैफिक एसएचओ अभिषेक की टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर युवकों को रोका और उनकी पहचान की। जांच में पता चला कि युवकों के पास न तो वैध वाहन दस्तावेज़ थे और न ही ड्राइविंग लाइसेंस। पुलिस ने ट्रैक्टर को इंपाउंड कर 32,000 रुपये का चालान काटा।

डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक मनप्रीत सिंह सूदन ने इस पर सख्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि सड़कें किसी की निजी संपत्ति नहीं हैं कि कोई तेज आवाज में म्यूजिक बजाकर, स्टंट करके या हुड़दंग मचाकर आम लोगों को परेशान करे। पुलिस ने आम लोगों से भी अपील की कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और किसी भी तरह की लापरवाही या सड़क पर हुड़दंगबाजी देखने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें।

छात्राओं को बाल विरुद्ध अपराध, बाल विवाह को लेकर जागरूक किया

मुकुल शर्मा | पंचकूला
समर न्यूज

पंचकूला, पुलिस ने बरवाला स्थित पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें पुलिस टीम द्वारा छात्राओं को महिला एवं बाल विरुद्ध अपराधों के बारे में जानकारी, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, साइबर सुरक्षा, बाल विवाह को लेकर जागरूक किया।

डीसीपी ने छात्राओं के साथ खुलकर संवाद किया, उनको धाकड़ बनने और अपने अधिकारों को समझकर निडरता से आगे बढ़ने के लिए कहा साथ ही उनकी जिज्ञासाओं को सुना और उन्हें निडर, जागरूक, आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। साथ ही बताया कि मां-बाप से बड़ा कोई दोस्त नहीं, उनसे दिल-खोलकर अपने मन की बात बताओ, अच्छा-बुरा अनुभव साझा करो, सीख अच्छी ही मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान जब डीसीपी ने छात्राओं से संवाद किया तो एक बच्ची ने बताया कि उसने कभी पुलिस थाना नहीं देखा। इस पर डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने तत्काल इच्छुक छात्राओं के लिए पुलिस थाने के विशेष दौरे की घोषणा की, ताकि छात्राएं नजदीक से पुलिस की कार्यशैली, शिकायतों की प्रक्रिया और पुलिस द्वारा विभिन्न मामलों में की जाने वाली कार्रवाई के तरीकों को समझ सकें। डीसीपी ने जिला के सभी विद्यार्थियों खासकर कक्षा 10वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों से अपील की कि वे 6 से 9 दिसंबर को सेक्टर-5 स्थित दशहरा ग्राउंड में आयोजित होने वाले 11वें इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल में अवश्य भाग लें, यह आपका सौभाग्य है कि इस बार यह फेस्टिवल पंचकूला में आयोजित हो रहा है। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में सीखने का महत्वपूर्ण अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में सब-इंस्पेक्टर रामू स्वामी ने भी प्रेरणादायक शब्दों से छात्राओं में उत्साह भरा और उन्हें बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने सुरक्षित इंटरनेट उपयोग और ऑनलाइन ठगी से बचने के तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा एएसआई शिवानी और महिला मुख्य सिपाही आशा ने छात्राओं को आत्मरक्षा के विभिन्न गुर सिखाए तथा उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को बाल विवाह न करने और इसकी रोकथाम के लिए हर संभव प्रयास करने की शपथ दिलाई गई। साथ ही महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़े कानून, जैसे पॉक्सो एक्ट, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम आदि के बारे में जानकारी देकर इनके पालन की शपथ भी दिलवाई गई। इस अवसर पर बरवाला चौकी इंचार्ज गुरपाल सिंह, जिला युवा विकास संगठन की टीम से डॉ. मोनिका, स्कूल प्रशासन तथा लगभग 500 छात्राएं उपस्थित रहीं।

प्रियांक कानूंगो ने मानवाधिकार जागरूकता कार्यक्रम में की शिरकत

प्रदीप सिंह हैप्पी | मोहाली
समर न्यूज

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूंगो ने जीरकपुर नगर परिषद में कचरा एवं सफाई कर्मियों के लिए आयोजित मानवाधिकार जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया और उपस्थित कर्मियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग समाज के हर वर्ग के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु प्रतिबद्ध है और इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी स्तर पर किसी भी व्यक्ति के अधिकारों का उल्लंघन न हो। समाज में सफाई कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यदि ये कर्मी अपनी ड्यूटी ईमानदारी और निष्ठा से न निभाएं, तो समाज में चारों ओर गंदगी और अव्यवस्था फैल जाएगी। इसलिए प्रत्येक नागरिक को सफाई कर्मियों का आभारी होना चाहिए और उनके साथ सम्मान एवं विनम्रता से व्यवहार करना चाहिए।

उन्होंने जोर देकर कहा कि सफाई कर्मियों का किसी भी प्रकार का शोषण नहीं होना चाहिए और नगर परिषदों एवं प्रशासन को इस दिशा में सतर्क रहना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि कूड़ा संग्रहण के कार्य में निजी कंपनियों की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए नगर परिषदों एवं प्रशासन की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि ठोस कचरा प्रबंधन में शामिल कंपनियों या ठेकेदारों की वजह से सफाई कर्मियों के हित प्रभावित न हों। प्रियांक कानूंगो ने आगे सुझाव दिया कि आजीविका मिशन के तहत महिलाओं के स्वयं सहायता समूह गठित किए जाएं, जिनमें गरीब एवं विधवा महिलाओं को शामिल किया जाए। इन समूहों को अन्य आजीविका गतिविधियों के साथ-साथ झाड़ू निर्माण का कार्य भी दिया जा सकता है तथा नगर निकायों को इन समूहों से ही झाड़ू खरीदने चाहिए।

उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों को पूरा सम्मान और गरिमा दी जानी चाहिए तथा किसी का भी शोषण नहीं होना चाहिए।

मनोरंजन मनमोहन वारिस ने अपने गानों से लोगों को मनमोहा

राष्ट्रीय शिल्प मेला, वारिस ने फोक-पॉप गानों से मचाई धूम... दर्शकों ने किया एंजॉय

समर न्यूज | चंडीगढ़

वर्ल्ड फेम पंजाबी फोक-पॉप सिंगर मनमोहन वारिस ने शुक्रवार शाम अपने मस्ती भरे और सोशल मैसेज देते गानों को जब सुरों से साधा तो ट्राइसिटी झूम उठी। वारिस ने अक्षय कुमार की फिल्म केसरी-2 फैम सॉन्ग कलेजे तीर देखन नू, ते सिर ते ताज देखन नू..., कल्ली बेह के सोची नी...और दो तारा वजदा वे... सुनकर सामयीन का दिल जीत लिया। वारिस इन गानों के साथ ही सुती पई नूं हिचकियां आणगीयां... सुनाया तो उनके सुर और तान से सम्मोहित से श्रोता वाह-वाह कर उठे। उन्होंने उड़जू उड़जू करदा... गाकर समां बांधने के साथ ही श्रोताओं के हृदय को झंकृत कर दिया।

▪ प्रोफेशन को बनाया पैशन...

देश-विदेश में प्रसिद्ध पंजाबी फनकार मनमोहन वारिस का कहना है कि उन्हें परमात्मा ने आवाज बख्शी, माता-पिता ने प्रतिभा पहचानी और गुरुओं के पास भेजा, तो भीतर का सिंगर सधे सुरों के साथ सामने आया। उन्होंने कहा कि कोई भी प्रोफेशन हो उसी को अपना पैशन बनाना चाहिए। उन्होंने ऐसा ही किया, तो संगीत प्रेमियों का भरपूर प्यार मिला। वारिस ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य संगीत प्रेमियों का मनोरंजन करना है। इसलिए वे खुद गाने का मजा लेते हैं उसे एंजॉय करते हैं। वारिस ने अभिनेता और पहलवान दारा सिंह से जुड़े संस्मरण बताते हुए युवा पीढ़ी को नशे और अन्य बुराइयों से दूर रहकर स्वस्थ रहने का संदेश देते हुए बताया कि वे पानी बचाओ अभियान और बाल मजदूरी पर भी समाज को संदेश दिया है। उन्होंने बताया कि दोनों भाइयों कमल हीर और संगतार के साथ वर्ल्ड वाइड पेश किए जाने वाला उनका 'पंजाबी विरसा' कार्यक्रम भी पारिवारिक प्रेम और जॉइंट फैमिली का संदेश है।

पर्यावरणीय कानूनों के तहत लागू की जाने वाली कार्रवाई के बारे में दी जानकारी

प्रदीप सिंह हैप्पी | मोहाली
समर न्यूज

जीरो वेस्ट बर्निंग को सुनिश्चित करने और पर्यावरण अनुकूल ठोस कचरा प्रबंधन को मजबूत करने के उद्देश्य से पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय मोहाली और नगर निगम मोहाली द्वारा संयुक्त रूप से एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया मोहाली गया। यह सत्र नगर निगम कार्यालय मोहाली के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित हुआ। पीपीसीबी मोहाली के कार्यकारी अभियंता नवतेश सिंगला और रिसोर्स पर्सन स्वाति ने प्रतिभागियों को ठोस कचरे को जलाने से होने वाले गंभीर पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी खतरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने जन स्वास्थ्य की सुरक्षा और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए पर्यावरण हितैषी कचरा प्रबंधन पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

लगभग 150 सफाई सेवकों, रैग पिकर्स, अधिकारियों और नगर निगम मोहाली के कर्मचारियों ने इस प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। सत्र में नगरपालिका ठोस कचरे एवं उद्यान संबंधी कचरे को जलाने के दुष्प्रभावों पर जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही कचरा जलाने से संबंधित कानूनी प्रावधानों, दंड और विभिन्न पर्यावरणीय कानूनों के तहत लागू की जाने वाली कार्रवाई के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई।

सत्र के अंत में सभी सफाई सेवकों ने किसी भी स्थान पर ठोस कचरे के जलाने को हतोत्साहित करने और रोकने के लिए संकल्प लिया और मोहाली शहर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कोमल ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी, फ्लैग डे फंडरेजर लॉन्च किया

प्रदीप सिंह हैप्पी | मोहाली
समर न्यूज

आर्म्ड फोर्सेज फ्लैग डे के मौके पर देश की रक्षा के लिए हमारी सेनाओं द्वारा दिए गए बलिदानों को याद करते हुए फ्लैग डे फंडरेजर की औपचारिक शुरुआत डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने टोकन फ्लैग लगाकर की।

उन्होंने इस मौके पर कहा कि यह दिन अलग-अलग लड़ाइयों, आर्मी ऑपरेशन के दौरान शहीद हुए सैनिकों के परिवारों और घायल हुए पूर्व सैनिकों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए मनाया जाता है। इस मौके पर लोग इन सैनिक परिवारों और सेनाओं की बहादुरी के सम्मान में दिल खोलकर दान करते हैं और जमा हुई रकम का इस्तेमाल शहीदों के परिवारों की भलाई के लिए किया जाता है। उन्होंने इस महान काम के लिए ज्यादा से ज्यादा दान देने की अपील करते हुए कहा कि इस फंड का इस्तेमाल शहीदों के परिवारों, शारीरिक रूप से अक्षम सैनिकों की भलाई जैसे अच्छे कामों के लिए किया जाता है। उन्होंने आम जनता, खासकर औद्योगिक प्रतिष्ठानों और सरकारी अधिकारियों से फ्लैग डे फंड के लिए ज्यादा से ज्यादा योगदान देने को कहा। इस मौके पर, ग्रुप कैप्टन दविंदर सिंह ढिल्लों (रिटायर्ड), डिस्ट्रिक्ट डिफेंस सर्विसेज वेलफेयर ऑफिसर एसएसनगर, रणधीर सिंह, सुपरिटेंडेंट, कमलजीत कौर, सुरिंदर कौर, जसविंदर सिंह और डिस्ट्रिक्ट डिफेंस सर्विसेज वेलफेयर ऑफिस एसएस नगर के सभी स्टाफ ने आम लोगों को टोकन फ्लैग बांटे और लोगों ने भी दिल खोलकर डोनेशन दिया। उन्होंने कहा कि यह फंड जुटाने का कैंपेन आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा और कोई भी व्यक्ति आर्म्ड फोर्सेज के फ्लैग डे फंड में कंट्रीब्यूट कर सकता है।

अनन्या पांडे ने सोशल मीडिया पर बिकिनी फोटोज शेयर कर फैंस को खुश कर दिया

अनन्या पांडे ने सोशल मीडिया पर बिकिनी फोटोज शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। वो अपना ग्लैमरस और स्टाइलिश लुक दिखाकर सबके दिल काबू कर रही हैं।
बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे इन दिनों मालदीव में छुट्टियां एन्जॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस ने अब व्हाइट बिकिनी में तस्वीरें पोस्ट की हैं। अनन्या पांडे का ये ग्लैमरस अवतार सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। सनग्लासेस लगाकर, बन बनाकर एक्ट्रेस सन बाथ ले रही हैं. इस दौरान अनन्या पांडे अपना टोंड फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। बिना मेकअप के भी वो बेहद खूबसूरत दिखाई दे रही हैं।
ब्लू बिकिनी पहन अनन्या पांडे समुन्द्र में उतर गई हैं। कछुए के पीछे-पीछे एक्ट्रेस जाती हुई नजर आ रही हैं। इस फोटो में दिखाई दे रहा है कि अनन्या कितना अच्छा स्विम करती हैं। व्हाइट ड्रेस में अनन्या पांडे को देखकर ऐसा लग रहा है, जैसे वो डेट के लिए तैयार हुई हैं। उनका ये सॉफ्ट गर्ल लुक काफी अच्छा लग रहा है। उनकी इस तस्वीर से सोशल मीडिया पर फ्रेशनेस आ गई है।
अनन्या पांडे व्हाइट टॉप और मैचिंग शॉर्ट स्कर्ट में हॉट तो लग ही रही हैं, साथ ही उनके पीछे का नजारा भी कम खूबसूरत नहीं है। एक्ट्रेस अपनी लग्जरी लाइफ की झलक दिखाकर लोगों को जलाती हुई नजर आ रही हैं।
कैजुअल लुक में अनन्या पांडे ने तस्वीर पोस्ट की है। उन्हें देखकर लग रहा है कि इन दिनों उनका फेवरेट कलर व्हाइट ही है. तभी तो वो हर तस्वीर में इसी कलर के आउटफिट में दिखाई दे रही हैं।
रात में समुन्द्र कितना हसीन लगता है? इसकी झलक भी अनन्या ने सोशल मीडिया पर फैंस को दिखाई है। एक्ट्रेस खूबसूरत नजारे को देखते हुए दुनिया भुला बैठी हैं।

पानी की कमी शरीर को बना देती है बीमारी का घर

नई दिल्ली । पानी सिर्फ प्यास बुझाने के लिए नहीं, बल्कि जीवन के लिए बेहद जरूरी है। सही समय और सही मात्रा में पानी पीने से न केवल बीमारियों से बचा जा सकता है, बल्कि जीवन की गुणवत्ता भी बढ़ती है। आयुर्वेद भी कहता है कि शरीर पंचमहाभूतों से बना है और उनमें जल तत्व का संतुलन सबसे जरूरी है। अगर पर्याप्त पानी नहीं पीते तो शरीर में वात, पित्त और कफ असंतुलित हो जाते हैं और कई तरह की बीमारियां जन्म लेती हैं। पानी शरीर से जहरीले तत्व बाहर निकालने, पाचन को ठीक रखने, त्वचा की चमक बनाए रखने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है। अगर शरीर को पर्याप्त पानी नहीं मिलता तो कई समस्याएं सामने आती हैं। सबसे पहले निर्जलीकरण यानी डिहाइड्रेशन होता है, जिससे थकान, सिरदर्द और चक्कर आने लगते हैं।
पाचन सही से नहीं होता और कब्ज और अजीर्ण जैसी परेशानी बढ़ जाती है। गुर्दे की समस्याएं, किडनी स्टोन और पेशाब से जुड़ी बीमारियां बढ़ जाती हैं। त्वचा रूखी हो जाती है और मुंहासे और समय से पहले झुर्रियां आ सकती हैं।
मस्तिष्क का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना होता है, इसलिए कमी होने पर एकाग्रता और स्मरण शक्ति प्रभावित होती है। पानी कम होने पर खून गाढ़ा हो जाता है, जिससे हाई बीपी और हृदय संबंधी रोग का खतरा भी बढ़ता है।
पानी कब और कैसे पीना चाहिए, यह भी जरूरी है। सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीना सबसे अच्छा है। यह पेट साफ करता है और कब्ज दूर करता है। खाने से 30 मिनट पहले पानी पीना पाचन के लिए फायदेमंद है, लेकिन खाने के तुरंत बाद पानी पीना अग्नि को धीमा कर देता है। दिनभर में थोड़ा-थोड़ा पानी पीना चाहिए, ताकि गुर्दे पर दबाव न पड़े। गर्मियों में पानी की जरूरत ज्यादा होती है, जबकि सर्दियों में गुनगुना पानी पीना बेहतर है।
कुछ घरेलू नुस्खे भी मददगार हैं। तुलसी का पानी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है, धनिया का पानी किडनी और मूत्राशय के लिए अच्छा है और सौंफ का पानी पाचन सुधारता है और शरीर को ठंडक देता है। गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पीने से वजन नियंत्रित रहता है और मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है।
वयस्कों को रोजाना 2.5-3 लीटर पानी पीना चाहिए। बच्चों और बुजुर्गों को उनकी क्षमता के अनुसार पानी देना चाहिए।

गर्भासन से मजबूत करें कलाई, कंधे-रीढ़ की हड्डी

नई दिल्ली । योग भारतीय दर्शन और जीवनशैली का एक अमूल्य उपहार है। इसके नियमित करने से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि मन और आत्मा को शांति भी मिलती है। इसी कड़ी में एक योगासन है, जिसे करने मात्र से ही शरीर को स्थिरता और शांति मिलती है। इसका नाम है 'गर्भासन'। यह एक ऐसा योगासन है, जिसके करने मात्र से तनाव, चिंता कम होती है और एकाग्रता बढ़ती है। गर्भासन 'गर्भ' और 'आसन' शब्द से मिलकर बनता है। गर्भ का मतलब 'भ्रूण' होता है और आसन का मतलब 'मुद्रा'। इस आसन को करने पर शरीर की मुद्रा एक भ्रूण के समान होती है, जिस वजह से इसे गर्भासन कहा जाता है। इसको रोजाना कुछ मिनट करने मात्र से कई तरह के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।
गर्भासन को करने से कुछ दिन पहले कुक्कटासन का अभ्यास करें। जब आपका शरीर पूरी तरह संतुलित हो जाए, तभी गर्भासन का अभ्यास करना शुरू करें। इसे करने के लिए आप एक योगा मैट पर पद्मासन की मुद्रा में बैठ जाएं। फिर, कुक्कटासन की तरह अपने हाथों को जांघों और पिंडलियों के बीच में फंसाकर कोहनियों तक बाहर निकालें। अब अपनी दोनों कोहनियों को मोड़ते हुए हाथों से दोनों कान पकड़ने की कोशिश करें। इस दौरान शरीर का पूरा भार कूल्हों पर होना चाहिए। सामान्य रूप से सांस लेते रहें और अपनी क्षमतानुसार इस स्थिति में रहने के बाद सामान्य हो जाएं।
आयुष मंत्रालय के अनुसार, इस आसन को रोजाना करने से मानसिक शांति, तनाव में कमी और पीठ के निचले हिस्से में आराम मिलता है। साथ ही, प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती मिलती है। यह आसन शरीर के ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करने में भी सहायक है।
आयुर्वेद के अनुसार, गर्भासन से शरीर का लचीलापन और संतुलन शक्ति भी बढ़ती है। इसके करने से कलाइयों, भुजाओं, पैरों, कंधों, पीठ और रीढ़ की हड्डी को मजबूती मिलती है और कूल्हों, घुटनों से संबंधित समस्याएं दूर हो जाती हैं।
इसके अभ्यास से शरीर को कई तरह के फायदे मिलते हैं, लेकिन घाव या फिर अन्य कोई तकलीफ होने पर इस आसन का अभ्यास न करें।

अगला विश्व कप शायद न खेल पाऊं, लियोनल मेसी के बयान से फैंस हैरान

नई दिल्ली। फीफा फुटबॉल विश्व कप 2026 खेलने की संभावनाओं के बीच लियोनल मेसी ने एक ऐसा बयान दिया है जिससे उनके फैंस के बीच हैरानी और निराशा बढ़ गई है। मेसी ने कहा है कि शायद वह अगला विश्व कप नहीं खेल पाएंगे। लियोनेल मेसी ने एक साक्षात्कार में कहा, "वह निश्चित रूप से अगला विश्व कप खेलना चाहते हैं, लेकिन ऐसा भी हो सकता है कि वह टीम का हिस्सा न हों। हां, जैसा मैंने कहा है कि मैं वहां रहना पसंद करूंगा और मैच लाइव देखूंगा। यह मेरे लिए खास होगा।" मेसी ने कहा, "विश्व कप हमारे लिए बेहद खास है। हम इसे बिल्कुल अलग तरीके से जीते हैं। हमारे पास बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, और यह सालों से दिख रहा है। लियोनेल स्कालोनी के आने के बाद से टीम और बेहतर हुई है। हर किसी की सोच एक जैसी है। यह जीतने वालों से भरी टीम है, जिनकी सोच मजबूत है। सभी जीतना चाहते हैं। आपने देखा होगा ट्रेनिंग में खिलाड़ी अपना सबकुछ दे रहे हैं। यही इस ग्रुप और इस नेशनल टीम की बहुत बड़ी ताकत है।"
उन्होंने कहा कि विश्व कप जीतने के बाद आपका विश्वास बढ़ता है और अगली प्रतियोगिता की तैयारी का जज्बा भी बढ़ता है। टीम विश्व कप में अपने खिताब की रक्षा के भरोसे के साथ उतरेगी। हालांकि खेल अनिश्चितता से भरा हुआ है। कोई भी दूसरी टीम हमारे लिए चीजों को मुश्किल बना सकती है। लियोनेल मेसी 2026 में 39 साल के हो जाएंगे।
पूरी संभावना है कि अगले साल विश्व कप खेलने के बाद मेसी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कह देंगे, लेकिन उनके अगले फुटबॉल का हिस्सा न होने वाले बयान ने दुनियाभर में फैले उनके करोड़ों फैंस के बीच निराशा की भावना पैदा की है। मेसी ने अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को पिछला विश्व कप जीतवाया था। एक कप्तान के साथ-साथ एक खिलाड़ी के तौर पर भी उनकी अहम भूमिका रही थी।

शाई होप और जस्टिन ग्रिव्स ने वेस्टइंडीज की न्यूजीलैंड के खिलाफ कराई वापसी

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट के चौथे दिन दूसरी पारी में शुरुआती झटके लगने के बाद शाई होप और जस्टिन ग्रिव्स की दमदार बल्लेबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज ने मैच में वापसी की है। वेस्टइंडीज को जीत के लिए 531 रन का बड़ा लक्ष्य मिला है। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय वेस्टइंडीज ने 4 विकेट पर 212 रन बना लिए थे। 531 रन का लक्ष्य पाने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही।
टीम ने 72 के स्कोर पर अपने 4 शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को गंवा दिया। ऐसा लग रहा था कि मैच का फैसला जल्द आ जाएगा, लेकिन शाई होप और जस्टिन ग्रिव्स ने शानदार और धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी की और दिन के बचे हुए ओवरों में न्यूजीलैंड को कोई और सफलता नहीं लेने दी।

चौथा आरपी सिंह मेमोरियल संयुक्त अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट 23 दिसंबर से शुरू होगा

चंडीगढ़। चौथा स्वर्गीय आर.पी. सिंह क्रिकेट कोच मेमोरियल कंबाइंड लड़कों और लड़कियों का अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट 23 दिसंबर से पंचकूला और चंडीगढ़ में शुरू होगा। यह प्रतियोगिता ट्राई सिटी चैंप्स क्रिकेट ग्राउंड, चंडीगढ़; ट्राई सिटी इंद्रजीत क्रिकेट ग्राउंड और टीडीएल क्रिकेट स्टेडियम, पंचकूला (हरियाणा) के तीन स्थानों पर आयोजित की जाएगी। हरियाणा स्पोर्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन (पंजीकृत) के महासचिव ने बताया कि स्वर्गीय आर.पी. सिंह (पूर्व क्रिकेट कोच, पंजाब एवं चंडीगढ़) की स्मृति में यह संयुक्त अंडर-14 (जन्मतिथि 01-01-2011) क्रिकेट प्रतियोगिता लीग सह नॉकआउट प्रारूप में खेली जाएगी। प्रत्येक टीम सुपर सब पैटर्न के तहत 12 खिलाड़ियों के साथ न्यूनतम चार मैच खेलेगी।
सभी मुकाबले लाल गेंद से 25 से 30 ओवरों के होंगे। टूर्नामेंट के दोनों सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले टीडीएल क्रिकेट स्टेडियम, सेक्टर-3, पंचकूला में होंगे।
सेमीफाइनल 30-30 ओवर और फाइनल एसजी गेंद से 40 ओवर का खेला जाएगा। आयोजकों के अनुसार पिछले वर्षों की तरह इस बार भी खिलाड़ियों को अच्छी गुणवत्ता की लाल गेंदें, रिफ्रेशमेंट बॉक्स और मिनरल वाटर प्रदान किया जाएगा।
हर मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को ट्रॉफी और उपहार दिए जाएंगे, जबकि पूरे टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को ट्रॉफी के साथ आकर्षक खेल उपकरणों से सम्मानित किया जाएगा। टूर्नामेंट की ऑनलाइन स्कोरिंग क्रिक हीरो पर होगी तथा मैच बीसीसीआई/राज्य पैनल अंपायरों द्वारा करवाए जाएंगे।
हरियाणा स्पोर्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन (रजिस्टर्ड) के सेक्रेटरी जनरल अमरजीत कुमार ने बताया कि एसोसिएशन "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" थीम को बढ़ावा देते हुए नियमित रूप से गर्ल्स क्रिकेट टूर्नामेंट और "बेटी खिलाओ" अभियान के तहत प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है। इसका उद्देश्य लड़कियों को अवसर प्रदान करना और उन्हें खेलों के प्रति जागरूक बनाना है।
उन्होंने बताया कि लड़कों के टूर्नामेंट आयोजित करने का उद्देश्य जूनियर क्रिकेटरों को तैयार करना, उनकी स्किल को निखारना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा दिखाने के लिए मंच उपलब्ध कराना है।

तनिका शर्मा बनी अंडर-19 वुमन चैंपियनशिप में टीम राजस्थान की उप-कप्तान

दौसा। बीसीसीआई द्वारा आयोजित अंडर-19 विमेन चैंपियनशिप के लिए दौसा की तनिका शर्मा को टीम राजस्थान का उप-कप्तान बनाया गया है। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि तनिका शर्मा का चयन राजस्थान टीम में हुआ है और उनके उप-कप्तान बनने से जिले के लिए यह गौरव की बात है। उनके चयन पर डीसीए के पदाधिकारी शोभना गुर्जर, शिवचरण शर्मा, रतन चंद एडवोकेट, विनय जैन, हीरा लाल सैन ने तनिका को बधाई और शुभकामनाएं दी। बीसीसीआई द्वारा आयोजित चैंपियनशिप के लिए राजस्थान टीम गुरुवार को इंदौर रवाना हुई, जहां टीम को मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ की टीम से 4 प्रैक्टिस मैच खेलने हैं।

विराट कोहली के पास साल 2018 वाला करिश्मा दोहराकर इतिहास रचने का मौका

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज में भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली प्रचंड फॉर्म में चल रहे हैं। सीरीज के पहले दो मैचों में कोहली ने बैक-टू-बैक शतक लगाया है। तीसरा वनडे शनिवार को विशाखापत्तनम में खेला जाना है। अगर तीसरे वनडे में भी विराट कोहली शतक लगाते हैं, तो सात साल पहले किए गए अपने करिश्माई प्रदर्शन को दोहराएंगे और इतिहास रचेंगे। विराट कोहली वनडे क्रिकेट के महानतम माने जाते हैं। 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई वनडे सीरीज के लगातार तीन मैचों में उन्होंने शतक लगाया था। अगर शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी वनडे में भी वह शतक लगाने में कामयाब रहते हैं, तो यह दूसरा मौका होगा जब लगातार तीन मैचों में उनके बल्ले से तीन शतक निकलेंगे। अगर विराट ऐसा करने में कामयाब रहते हैं, तो वे भारत के पहले बल्लेबाज बनेंगे जिनके नाम दो बार लगातार तीन-तीन शतक लगाने का रिकॉर्ड होगा। विराट कोहली का विशाखापत्तनम में शानदार रिकॉर्ड है। वह इस वेन्यू पर सबसे ज्यादा रन और शतक बनाने वाले बल्लेबाज हैं। विराट ने 2011 से 2023 के बीच यहां खेले 7 वनडे मैचों में 3 शतक और 2 अर्धशतक लगाते हुए 587 रन बनाए हैं। ये आंकड़े इस बात का सबूत हैं कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे में कोहली एक बार फिर विपक्षी टीम पर भारी पड़ सकते हैं और एक शतकीय पारी उनके बल्ले से आ सकती है।
वनडे में विराट के अलावा रोहित शर्मा, एबी डिविलियर्स, क्विंटन डी कॉक, हर्शल गिब्स, जॉनी बेयरस्टो, और रॉस टेलर भी लगातार तीन वनडे शतक लगा चुके हैं।
पाकिस्तान के जहीर अब्बास, सईद अनवर, और बाबर आजम वनडे में लगातार तीन शतक लगाने की उपलब्धि दो बार हासिल कर चुके हैं। फखर जमान ने ऐसा एक बार किया है।

रेल पार्सल स्टीकर स्कैम भाग-3

निजी स्कैनर मशीन का साइज बेहद छोटा, बड़े नग जुगाड़ू तरीके से जांचते या बिना जांच लगाते स्टीकर

सुनील | लुधियाना
समर न्यूज

रेलवे में पार्सल स्कैन करने वाली मशीन का साइज इतना छोटा है कि उसमें बड़े साइज वाले नग स्कैन करना खुद में ही एक चुनौती है। रेलवे के पार्सल विभाग में जो भी बड़े साइज वाले नग बुक होने के लिए आते हैं उनको इस मशीन में नहीं बल्कि एक छोटे मेटल डिटेक्टर से ही जांच किया जाता है यां फिर बिना स्कैन किया ही उन पर स्टीकर लगाए जा रहे हैं। सूत्रों की माने तो यहां पर स्कैन के नाम पर ड्रामा ही चल रहा है। उक्त लोगों ने तो यहां तक कह डाला कि छोटे मेटल डिटेक्टर से किसी नग की जांच करना मानो मजाक ही है। क्योंकि इस मेटल डिटेक्टर में किसी भी ऐसी चीज को नहीं भांपा जा सकता जो कि रेल पाबंदी सुधा है। अब अधिकारियों के रहमों करम से कहा जाए या फिर सेटिंग से बस काम चल रहा है। लेकिन कुल मिलाकर बात की जाए तो इस स्कैन मशीन से आज तक कोई भी ऐसी चीज नहीं पकड़ेगी जो कि रेलवे के पार्सल में बैन है।

शुरू में ही उठा था मुद्दा

जब प्राइवेट कंपनी ने मंडल के रेलवे स्टेशनों पर स्कैन करने वाली यह छोटी मशीन लगाई थी तब भी यह मुद्दा उठा था। तब अधिकारियों ने आवाज उठानी चाही तो मशीन लगाने वाली कंपनी ने किसी न किसी तरीके मामला शांत कर लिया। हल निकाला गया कि बड़े नग को हाथ वाले मेटल डिटेक्टर से जांच किया जाए। जबकि छोटे नग को इस मशीन में से निकलकर जांच करने के आदेश दिए गए। उसके बाद ना ही किसी अधिकारी ने इस मामले की तरफ ध्यान दिया और ना ही बात उठी। बस तब से लेकर बड़े नग को स्कैन करने का काम बस चल रहा है।

हाथ वाले मेटल डिटेक्टर से सिगरेट, मास ओर शराब नहीं भांपी जा सकती

प्राइवेट कंपनी के बशिंदे हाथ वाली मेटल डिटेक्टर मशीन के साथ पार्सल विभाग में आने वाले बड़े बोरे या फिर डिब्बों की जांच करते हैं। बड़ी बात यह है कि इस प्राइवेट कंपनी के हाथ वाले मेटल डिटेक्टर के साथ रेलवे के पार्सल में पाबंदीसुधा सिगरेट, तंबाकू, मांस, शराब या फिर ज्वलनशील पदार्थ को भांपा नहीं जा सकता। खानापूर्ति के लिए तो वहां पर जांच हो रही है लेकिन असल में उनको कुछ नहीं पता चलता कि नग में क्या है। बस पैसे बटोरने के लिए उक्त कंपनी क्लेरेंस वाला स्टीकर धड़ाधड़ बेच रही है और लगा रही है।

इससे पहले स्टीकर स्कैम को भी किया प्रकाशित

पार्सल के स्कैन सिस्टम को लेकर समर एक्सप्रेस की तरफ से यह खबर भाग 3 है। इससे पहला भाग 1 में खुलासा किया गया था कि रेलवे स्टेशन के पार्सल विभाग में समान स्कैन करने वाली प्राइवेट कंपनी वहां पर तैनात एजेंट को लीज वाले स्टीकर को चंद रुपयों में बांट रही है। भाग 2 में भी बुकिंग वाले माल पर लगने वाले स्टीकर को एजेंटों के हाथों में देने की बात बताई गई थी। अब इसी स्कैन कंपनी के तीसरे घपले के बारे में भी उजागर किया गया है। यहां बता दे की स्कैन कंपनी द्वारा रेलवे स्टेशन के पार्सल विभाग में बुक होने वाले समान पर जो स्टीकर लगाया जाता है वह स्कैन मशीन में से निकलने के बाद ही लगाया जाता है। इसका मतलब यह है कि जिम सामान पर स्टीकर लग गया उसमें रेल में पाबंदीसुधा कोई भी समान नहीं है।

बहादुरके रोड पर खाल बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज

आग को बुझाने में जुटे दमकल विभाग के कर्मचारी (लक्की भट्टी) -समर न्यूज

शुक्रवार सुबह बहादुरके रोड पर पंजाब नेशनल बैंक वाली गली में स्थित संत साहिब आयल मिल्स की खाल बनाने वाली फैक्ट्री में भयंकर आग लगने से लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। घटना सुबह करीब 10 बजे की है, जब फैक्ट्री में सामान्य रूप से काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक कच्चे माल के हिस्से से घना धुआँ उठता दिखाई दिया और कुछ ही क्षणों में आग की लपटें तेजी से फैलने लगीं।

फैक्ट्री में मौजूद मजदूरों ने बताया कि पहले जलने की तेज़ बदबू आई और धुआँ बढ़ता गया। स्थिति गंभीर होते देख वर्करों को तुरंत बाहर निकाला गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। देखते ही देखते आग ने कच्चे माल के भंडार को पूरी तरह घेर लिया और बाद में तैयार माल भी उसकी चपेट में आ गया।

सूचना मिलते ही फैक्ट्री मालिक मौके पर पहुंचे, लेकिन उन्होंने आग लगने के कारण को लेकर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि नुकसान और कारणों का सही आकलन जांच के बाद ही किया जा सकेगा।

घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की सात से आठ गाड़ियाँ तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का अभियान शुरू किया। दमकल कर्मियों को आग की तीव्रता के कारण लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। वही मौके पर थाना बस्ती जोधेवाल की पुलिस पुहंची, जिन्होंने फैक्ट्री मालिक के बयान दर्ज कर जांच शुरू की।

नई सब्जी मंडी में 28 दुकानों की निशानदेही पूरी, भड़के दुकानदार

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज

बहादुरके रोड नई सब्जी मंडी में आज सिविल विंग की टीम ने जेई गुरनूर सिंह की अगुवाई में बची हुई 28 दुकानों की निशानदेही पूरी कर दी। लंबे समय से अपनी दुकानों का इंतजार कर रहे दुकानदारों को निशानदेही मिलने पर राहत तो मिली, लेकिन कई तरह की परेशानियाँ भी सामने आईं। दुकानदारों ने बताया कि जिन स्थानों पर दुकानें दिखाई गई हैं, वहां अस्थायी फड़ियां, फुटपाथ, बिजली के पोल और वाटर स्टॉर्म लाइन बीच में आ रही है। इससे दुकानों का सही ढंग से उपयोग करना मुश्किल हो रहा है। कई खरीददारों ने कहा कि उन्होंने कर्ज लेकर दुकानें खरीदी थीं, अब ऊपर से इतने समय तक इंतजार और मौके पर मौजूद अव्यवस्था ने उनकी चिंता बढ़ा दी है। निशानदेही के दौरान मौके पर पहुंचे मंडी चेयरमैन गुरजीत सिंह गिल ने दुकानदारों की सभी समस्याएँ सुनीं। दुकानदारों ने मांग की कि दुकानों के आगे कब्जा जमाए बैठे लोगों को हटाया जाए और पोल व स्टॉर्म वाटर लाइन जैसी बाधाओं को शिफ्ट किया जाए। चेयरमैन गिल ने आश्वासन दिया कि सोमवार को इस संबंध में सचिव हरिंदर सिंह गिल से बैठक कर सभी समस्याओं का जल्द समाधान करवाया जाएगा, ताकि खरीददार बिना किसी बाधा के अपनी दुकानें शुरू कर सकें।

चोरों ने शटर तोड़कर उड़ाए 6 लाख

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज

जानकारी देते हुए राज मेडिकोज के मालिक विजय डंग (हरजीत सिंह काका)

लुधियाना की प्रमुख दवा मार्केट पिंडी स्ट्रीट में शुक्रवार तड़के चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। सुबह करीब 6 बजे एक बाइक सवार दो युवकों ने राज मेडिकोज़ का शटर उखाड़कर दुकान के गल्ले से करीब 6 लाख रुपये की नकदी चोरी कर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

दुकान मालिक विजय डंग के अनुसार, चोरों ने वारदात को अंजाम देने से पहले दुकान के आगे-पीछे की अच्छी तरह रेकी की थी। इसके बाद उन्होंने बड़ी सतर्कता से दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे की दिशा मोड़ दी, ताकि उनकी हरकतें रिकॉर्ड न हो सकें। कैमरा हटाने के बाद दोनों आरोपियों ने दुकान का शटर उखाड़कर अंदर प्रवेश किया और कैश ड्रॉअर में रखी नकदी निकालकर मौके से फरार हो गए। सुबह करीब 9 बजे जैसे ही वह दुकान पर पहुंचे तो दुकान का शटर टूटा देखकर वह अचंभित रह गए। जिसके बाद उन्होंने दुकान के भीतर जाकर जांच की तो गल्ले से लाखों रुपये की नकदी गायब मिली। इसके बाद उन्होंने तुरंत थाना कोतवाली पुलिस को मामले की सूचना दी।

शिकायत मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि फुटेज में दो संदिग्ध युवक दिखाई दे रहे हैं, जिनकी पहचान जल्द की जाएगी। पुलिस ने आसपास के दुकानदारों से भी जानकारी जुटाई है।

मार्केट के दुकानदारों का कहना है कि सुबह-सुबह हुई यह वारदात सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने पुलिस से इलाके में गश्त बढ़ाने की मांग भी की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस कर्मी को धक्का देकर हवालाती फरार

सौरव अरोड़ा | लुधियाना
समर न्यूज

सिविल अस्पताल में मेडिकल करवाने ले जाए जा रहे हवालाती ने पुलिस कर्मी को चकमा देकर हथकड़ी सहित फरार होने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। मामला थाना टिब्बा क्षेत्र का है, जहां आरोपी भीड़ का फायदा उठाकर मौके से भाग गया।

जानकारी के अनुसार, पंजाब होमगार्ड का जवान निर्मल सिंह हवालाती मनदीप सिंह को मेडिकल जांच के लिए सिविल अस्पताल लेकर जा रहा था। रास्ते में जब वे पुरानी गौशाला के पास पहुँचे, तो मनदीप ने पेशाब जाने का बहाना बनाया।

निर्मल सिंह ने उसे कुछ ढील दी ही थी कि तभी आरोपी ने अचानक जोरदार धक्का मार दिया और तेजी से भाग निकला। मनदीप हथकड़ी लगे होने के बावजूद आसपास मौजूद भीड़ और गलियों का सहारा लेकर कुछ ही पलों में ओझल हो गया। जवान निर्मल सिंह ने पीछा करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी भागने में सफल रहा।

घटना की सूचना तुरंत थाना टिब्बा पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इलाके के सेफ सिटी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि आरोपी की भागने की दिशा और लोकेशन का पता लगाया जा सके।

पुलिस टीमें विभिन्न इलाकों में दबिश देकर मनदीप की तलाश में जुटी हुई हैं। थाना टिब्बा पुलिस ने बताया कि हवालाती की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है और जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा।

सीसीटीवी फुटेज में दोनों आरोपी आए पकड़ में, पुलिस ने जल्द गिरफ्तारी का भरोसा

एटीएम कार्ड बदलकर उड़ाए 80 हजार

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज

शहर में एटीएम कार्ड से ठगने की वारदात एक बार फिर सामने आई है। न्यू हरगोबिंद नगर के रहने वाले जसपाल सिंह के साथ दो नौसरबाजों ने कार्ड बदलकर 80 हजार रुपये की ठगी कर ली। घटना ब्राउन रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक के बाहर लगे एटीएम की है।

जानकारी के अनुसार, फैक्टरी कर्मचारी जसपाल सिंह के बैंक खाते में करीब 1.50 लाख रुपये जमा थे। उसने बैंक से नया एटीएम कार्ड प्राप्त किया और शुक्रवार को वह एटीएम मशीन पर नया पिन जनरेट करने पहुंचा। जैसे ही वह अंदर गया, वहां पहले से ही दो युवक मशीन पर मौजूद थे। जसपाल को पिन बदलने की प्रक्रिया समझ नहीं आई, जिसका फायदा आरोपियों ने उठा लिया। ठगों ने मदद करने के बहाने जसपाल का एटीएम कार्ड अपने हाथ में लिया और चालाकी से कार्ड बदलकर एक अन्य कार्ड उसे पकड़ा दिया। जसपाल को इस बदलाव का पता नहीं चला और वह एटीएम से बाहर निकल गया।

कुछ ही देर बाद उसे मोबाइल पर मैसेज मिलने लगे कि उसके खाते से 20 हजार रुपये एटीएम से निकाले जा चुके हैं। जब वह तुरंत बैंक पहुंचा तो पता चला कि आरोपियों ने स्वैप मशीन के जरिए 30-30 हजार रुपये की दो ट्रांजैक्शन भी कर ली थीं। समय रहते कार्ड ब्लॉक करवाने के कारण खाते में बचे 60 हजार रुपये सुरक्षित बच गए। पीड़ित ने बताया कि 20 हजार रुपये समराला चौक के पास स्थित एटीएम मशीन से निकाले गए हैं। ठगों द्वारा कुल 80 हजार रुपये उड़ा लिए गए। थाना कोतवाली पुलिस ने जसपाल सिंह के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जगदीप सिंह ने बताया कि एटीएम और आसपास की सीसीटीवी कैमरों में दोनों आरोपी साफ दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने उनकी पहचान करते हुए तलाश शुरू कर दी है और जल्द गिरफ्तारी का दावा किया है।

कला के जरिए जागरुकता का संदेश...

गुरु अंगद देव वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेज यूनिवर्सिटी, लुधियाना में 14वें इंटर-कॉलेज यूथ फेस्टिवल के दौरान मंचीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी छात्र माइम, स्किट और वन-एक्ट प्ले के जरिए सामाजिक मुद्दों पर जोरदार संदेश देते हुए। **फोटो लक्की भट्टी -समर न्यूज**

संकीर्तन | 26वें दिन भैया किशन दास जी ने भजनों से बरसाया नाम-रस

आज अयोध्या से श्री राजन जी महाराज भाव रस प्रदान करेंगे

दीपक कुमार | लुधियाना
समर न्यूज

श्री दंडी स्वामी महाराज जी के शुभ आशीर्वाद से सिद्धपीठ श्री दंडी स्वामी ट्रस्ट, सेवा परिकर और श्री राधा गोविंद संकीर्तन मंडल (सेवक सिद्धपीठ) द्वारा आयोजित 75वां श्री हरिनाम संकीर्तन एवं गौलोकवासी पंडित जगदीश चंद्र कोमल महाराज के 25वें वरदान दिवस के पावन उपलक्ष्य में चल रहे 38 दिवसीय महासंकीर्तन का छब्बीसवां दिन भी संकीतमय वातावरण में सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित राज कुमार शर्मा ने की।सिरसा से पधारे भैया किशन दास जी ने मधुर भजन प्रस्तुत किए "निताई गौर राधे श्याम जपो हरे कृष्ण हरे राम","राधा रमण लाल तेरे नैन नशीले","मेरी करुणामई सरकार बरसाने वाली","राधा नाम के दीवाने हम आए बरसाने","बोले राधे बोले राधे राधे"इन भजनों ने सभा को भाव-विभोर कर दिया और भक्त नाम-रस में झूम उठे।भैया किशन दास जी ने कहा कि संसार में सबसे मधुर यदि कुछ है, तो वह है प्रभु नाम का रस, जिसे जिसने एक बार चखा, वह फिर किसी और आनंद की इच्छा नहीं करता।

उन्होंने बताया कि नाम-स्मरण से हृदय में शांति, जीवन में सरलता और मन में अटूट विश्वास उत्पन्न होता है।प. श्री राज कुमार शर्मा जी ने भैया किशन दास जी को नाम-रस प्रदान करने के लिए धन्यवाद किया और सम्मानित किया।आज अयोध्या से पधारे श्री राजन जी महाराज भाव-रस की धारा प्रवाहित करेंगे।

वाहन चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

• पुलिस ने बरामद किए तीन दोपहिया वाहन

शेखर वर्मा | लुधियाना
समर न्यूज

थाना दरेसी पुलिस ने वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी कार्रवाई की है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान नवनीत कल्याण और आकाश, दोनों निवासी वाल्मीकि मोहल्ला, निकट सुंदर नगर, के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों से एक मोटरसाइकिल सहित कुल दो चोरीशुदा दोपहिया वाहन बरामद किए हैं।

थाना प्रभारी सब-इंस्पेक्टर गुरमीत सिंह ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर सुंदर नगर स्थित आईसीआईसीआई बैंक के पास नाकाबंदी की गई। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर आते दोनों युवकों को रोककर पूछताछ की गई। वे मोटरसाइकिल के कागजात, आरसी और इंश्योरेंस संबंधी कोई दस्तावेज पेश नहीं कर पाए। शक के आधार पर जब सख्ती से पूछताछ की गई तो दोनों ने कबूल किया कि उनके पास मौजूद मोटरसाइकिल चोरी की है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर एक चोरी की एक्टिवा भी बरामद की, जिसे कुछ दिन पहले दरेसी इलाके से चोरी किया गया था। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी नशे के आदी हैं और चिट्टा खरीदने के लिए वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।पुलिस के अनुसार, आरोपी नवनीत शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। वह पहले भी कई मामलों में गिरफ्तार हो चुका है। उसके खिलाफ वाहन चोरी समेत चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। दोनों आरोपियों की उम्र 30 से 32 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें अदालत में पेश किया, जहां से दो दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया है। पुलिस का कहना है कि रिमांड के दौरान इनसे और चोरी के मामलों का खुलासा होने की उम्मीद है।

ग्रुप एडिटरः अर्शदीप सिंह, एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल*, मुद्रक, प्रकाशक, इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट- 22, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला। आरएनआई पंजीकरण संख्याः CHMUL/25/A1155
*इस अंक में प्रकाशित सभी समाचार पीआरबी के चयन एवं संपादन हेतु हैं। अधिनियम के अंतर्गत सभी उत्तरदायित्व और उससे उत्पन्न सभी विवाद लुधियाना न्यायालय के अधीन होंगे। वर्ष 1 अंक 91